राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक -221 | रायपुर | रविवार 03 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

पीएम मोदी ने खाते में भेजा दिया 20वीं किस्त का पैसा

चुनाव आयोग ने बीएलओ का पारिश्रमिक बढ़ाकर दोगुना किया

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को समन जारी, 28 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश

नई दिल्ली, दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वाड्रा को समन जारी किया है. स्पेशल जज सुशांत चंगोट्रा ने वाड्रा को 28 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है.

कोर्ट ने वाड्रा को समन जारी करने के मामले में 24 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था. बता दें कि 17 जुलाई को ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ हरियाणा के शिकोहपुर भूमि से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल किया था. इसमें वाड्रा और 10 अन्य लोगों के नाम हैं. उनकी कंपनी, मेसर्स स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भी शामिल है. ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा और उनकी कंपनी की 37.64 करोड़ की 43 संपत्तियों को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जब्त किया है. इस मामले की शुरुआत 2008 में हुई थी. गुरुग्राम के शिकोहपुर में जमीन का सौदा हुआ था. स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने साढ़े तीन एकड़ जमीन मात्र साढ़े सात करोड़ रुपये में खरीदी थी।

प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी पहुंचे, 2,200 करोड़ की परियोजनाएं शुरू कीं

पाक ने कोई पाप किया तो यूपी में बनी मिसाइलें दुश्मन देश को कर देंगी तबाह

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता कांग्रेस और उनके चेले-चपाटे नहीं पचा पा रहे : प्रधानमंत्री मोदी

रायपुर/नई दिल्ली, संवाददाता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर हैं। यह उनका वाराणसी का 51वां दौरा है। वहां उन्होंने करीब 2,200 करोड़ रुपये की लागत वाली 52 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त की राशि भी भेजी। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। भारी बारिश के बीच करीब 50,000 लोग सभास्थल पहुंचे। प्रधानमंत्री ने अपना संबोधन भोजपुरी से शुरू किया। आगे उन्होंने कहा, मैं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार काशी आया हूं। जब 22 अप्रैल को पहलगाम हमला हुआ था, 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या की गई, उनके परिवार की पीड़ा, उन बेटियों की वेदना से मेरा हृदय तकलीफ से भर गया। मैंने

अपनी बेटियों के सिंदूर का बदला लेने के लिए जो वचन दिया था, वो भी पूरा हुआ। ये महादेव के आशीर्वाद से ही पूरा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हमारे देश के कुछ लोगों को भी पेट में दर्द हो रहा है। ये कांग्रेस पार्टी और उनके चेले-चपाटे इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। पाकिस्तान के कई सारे एयरबेस आईसीयू में हैं। पाकिस्तान दुखी है। ये तो सब कोई समझ सकता है, लेकिन पाकिस्तान का ये दुख समाजवादी पार्टी और कांग्रेस से सहन नहीं हो रहा।

मोदी ने पाकिस्तान को चेताया

पीएम मोदी ने कहा कि अगर फिर पाकिस्तान ने कोई पाप किया तो यूपी में बनी मिसाइलें दुश्मन देश पाकिस्तान को तबाह कर देंगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत पर जो वार करेगा, वो पताल में भी नहीं बचेगा।

कांग्रेस सेना का कर रही अपमान-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी विपक्षों को नहीं पच रही है। कांग्रेस और उसके चेले लगातार सेना का अपमान कर रहे हैं। उधर आतंकियों का आका रोता है। इधर कांग्रेस और सपा आतंकियों की हालत देखकर रोते हैं। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा है। पीएम मोदी ने जनता से पूछा कि क्या सिंदूर तमाशा हो सकता है क्या?

'नया भारत पहलगाम के अपराधियों को 'मिट्टी में मिलाने' का माद्दा रखता है

'दुनिया ने भारत की शक्ति व सामर्थ्य का किया एहसास'

एजेंसी। वाराणसी पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास किया है. नया भारत पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर और दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने का माद्दा रखता है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में शनिवार को वाराणसी में आयोजित को संबोधित किया।

इस कार्यक्रम में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत पावन श्रावण मास में देवाधिदेव महादेव के धाम और अपने संसदीय क्षेत्र काशी में आने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत-अभिनंदन किया. इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, प्रदेश सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सुरेश खन्ना, अनिल राजभर, रविंद्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र 'दयालु' आदि मौजूद रहे.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की काशी में उपस्थिति और उनका मार्गदर्शन सावन महीने के ऐसे समय में हुआ है, जब पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत के सामर्थ्य और शक्ति का अहसास किया है. उन्होंने कहा, ÷ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन के उपरांत प्रधानमंत्री मोदी का आगमन यहां हुआ है. इस अवसर पर उत्तर प्रदेशवासियों की ओर से मैं उनका स्वागत करता हूं.÷

'पीएम मोदी संसद में अविनाशी का प्रतिनिधित्व करते हैं' सीएम योगी ने कहा, ÷सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री संसद में इस अविनाशी काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं. प्रधानमंत्री कहते हैं कि काशी की आत्मा सनातन और आत्मीयता वैश्विक है. काशी 11 वर्ष में नूतन व पुरातन के साथ आध्यात्मिकता व आधुनिकता के नए संगम के रूप में दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनी है. यह पहली बार हो रहा होगा, जब कोई प्रधानमंत्री अपने क्षेत्र में 51वीं बार उपस्थित हुए होंगे.÷

किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी

नईदिल्ली । एजेंसी। बिहार दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही हैं और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। पटना में पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 21,000 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई और केंद्र व राज्य सरकारें मिलकर किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही हैं। किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी हैं। शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा कि मैं किसानों का सेवक हूं और किसानों की सेवा करना ईश्वर की पूजा के समान है। आज हम किसानों के बीच गए और उनसे मिले... किसान जो चाहेगा, खरीदेगा; उसे खाद के साथ-साथ अन्य चीजें खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता... किसानों के साथ इस तरह की जबरदस्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हम सख्त कार्रवाई करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा केवल स्वदेशी सामान खरीदने का आह्वान करने के बाद, केंद्रीय मंत्री चौहान ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि पटना के किसानों ने संकल्प लिया है कि वे केवल 'मेड इन इंडिया' उत्पाद ही खरीदेंगे।

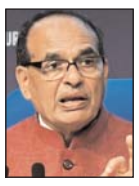

अमेरिकी टैरिफ के बीच बोले पीएम मोदी : किसानों और छोटे उद्योगों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि किसानों, छोटे उद्योगों और युवाओं का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही कहा कि देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 7 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की गई है। अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी से पैदा हुई उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती की पुष्टि करते हुए कहा कि देश को अपने आर्थिक हितों के प्रति सतर्क रहना चाहिए और स्वदेशी उत्पादों को अपनाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में एक रैली के दौरान कहा, वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का माहौल है। सभी देश अपने-अपने हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और इसलिए भारत को अपने आर्थिक हितों के प्रति सतर्क रहना होगा।

इस सप्ताह की शुरुआत में, ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। साथ ही कहा था कि रूसी तेल खरीदने पर भारत को अतिरिक्त टैरिफ दंड का भी सामना करना पड़ेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा यह दावा किए जाने के बाद कि भारत ने संभवतः रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है, सरकारी सूत्रों ने शनिवार को स्पष्ट किया कि रूस से तेल आयात पर ऐसी कोई रोक नहीं है। सूत्रों के अनुसार, भारत की ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की ताकतों से प्रेरित है। हमारे पास भारतीय तेल कंपनियों द्वारा रूसी आयात रोकने की कोई रिपोर्ट नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, सरकार देश के सर्वोत्तम हित में हर संभव प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने रैली में अपने भाषण के दौरान कहा, जो लोग देश का भला चाहते हैं और भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना चाहते हैं, उन्हें अपने मतभेदों को भुलाकर स्वदेशी उत्पादों के लिए संकल्प लेना चाहिए। हम केवल वही चीजो खरीदेंगे जो भारतीयों द्वारा बनाई गई हैं। हमें वोकल फॉर लोकल को अपनाने की जरूरत है।

झारखंड : शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन बाथरूम में गिरे, ब्रेन में ब्लड क्लॉट

संवाददाता। झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास फिसलकर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. उन्हें इलाज के लिए जमशेदपुर के टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया. जानकारी के मुताबिक, शिक्षा मंत्री बाथरूम में फिसलकर गिर पड़े. इससे उनके सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं. उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है. वहीं झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इसे लेकर पोस्ट किया है और मंत्री रामदास सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है. इरफान अंसारी ने बताया कि बाथरूम में गिरने से शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के ब्रेन में चोट व ब्लड क्लॉट हुआ है. उन्हें एयरलिफ्ट कर दिल्ली ले जाया गया है.

अमरनाथ यात्रा पर लगा ब्रेक, प्रशासन का बड़ा ऐलान- अब नहीं होंगे दर्शन

श्रीनगर। बाबा बर्फानी के दर्शन की आस में बैठे लाखों श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पवित्र अमरनाथ यात्रा को समय से पहले ही समाप्त करने का ऐलान कर दिया है। यह यात्रा 9 अगस्त, रक्षाबंधन के दिन तक चलनी थी, लेकिन खराब मौसम और क्षतिग्रस्त रास्तों के कारण इसे 3 अगस्त से ही रोकने का फैसला लिया गया है। कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने इस फैसले की

पुष्टि करते हुए बताया कि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण यात्रा के दोनों प्रमुख मार्गों, बालटाल और पहलगाम, को भारी नुकसान पहुँचा है। इन रास्तों की मरम्मत का काम तत्काल शुरू किया जाना है, जिसमें भारी मशीनरी और कर्मियों को लगाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया, रास्तों पर मरम्मत का काम चलने के कारण यात्रियों की आवाजाही संभव नहीं है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए यात्रा को यहीं रोकना पड़ रहा है। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी। यात्रा रोके जाने तक, इस वर्ष 4.10 लाख श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में कम है।

विश्व | 2020 से 2024 तक ब्रिटेन से 311 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया

अमेरिका ने 2025 में अब तक 1,703 भारतीयों को किया डिपोर्ट

सबसे ज्यादा पंजाब और हरियाणा से

एजेंसी ।

वाशिंगटन ,अमेरिका ने साल 2025 के पहले 7 महीनों में कुल 1,703 भारतीय नागरिकों को देश से डिपोर्ट किया है, जिनमें 141 महिलाएं भी शामिल हैं। यह जानकारी विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर के दौरान दी।

सिंह ने बताया कि 2020 से 2024 के बीच 5,541 भारतीयों को अमेरिका से भारत भेजा गया, जबकि साल 2025 में 22 जुलाई तक यह आंकड़ा 1,703 तक पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि डिपोर्ट किए गए नागरिकों में सबसे ज्यादा 1,562 पुरुष और 141 महिलाएं थीं। सरकारी

आंकड़ों के अनुसार, डिपोर्ट किए गए भारतीयों में सबसे ज्यादा 620 लोग पंजाब से, 604 लोग हरियाणा, 245 लोग गुजरात और 10 लोग जम्मू-कश्मीर से थे। जबकि 6 लोगों के राज्य की पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई है।

सरकार ने डिपोर्टेशन के लिए अमेरिका द्वारा इस्तेमाल किए गए तरीकों की जानकारी भी साझा की, फरवरी में 333 भारतीयों को अमेरिकी सैन्य विमानों से भेजा गया। मार्च में 231 लोग ICE (यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट) के चार्टर्ड विमानों से लौटे। जुलाई में 300 नागरिकों को डीएचएस (डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी) के विमान से डिपोर्ट किया गया। इसके अतिरिक्त पानामा से 72 भारतीय व्यावसायिक उड़ानों से लौटे और 767 अन्य नागरिकों को अमेरिका से व्यक्तिगत या छोटे समूहों में कमर्शियल फ्लाइट्स से भारत भेजा गया। कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि 2020 से 2024 तक ब्रिटेन से 311 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया, जबकि 2025 में अब तक 131 लोगों को वापस भेजा गया है। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि ब्रिटेन से जुड़े आंकड़ों में कुछ भिन्नता संभव है, क्योंकि कई बार वैध दस्तावेज वाले लोगों को भी तुरंत डिपोर्ट कर दिया जाता है।

अमेरिकी पनडुब्बियों पर रूस की सीधी चेतावनी; दुनिया में बढ़ा तनाव

आने दो, तुम पहले से ही हमारे निशाने पर हो': रूस ने चेताया

नईदिल्ली।

वाशिंगटन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक आदेश ने दुनिया की दो महाशक्तियों को एक बार फिर आमने-सामने ला खड़ा किया है, जिससे वैश्विक तनाव चरम पर पहुँच गया है। ट्रंप द्वारा परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने के आदेश पर रूस ने बेहद तीखी और चेतावनी भरी प्रतिक्रिया दी है। रूस ने साफ कहा है कि अमेरिकी पनडुब्बियां पहले से ही उसके रडार पर हैं। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर यह ऐलान किया कि उन्होंने दो अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों को उत्तेजक गतिविधियों वाले क्षेत्रों की ओर भेजने का आदेश दिया है। माना जा रहा है कि ट्रंप की यह प्रतिक्रिया रूस के

सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव के हालिया भड़काऊ बयानों के जवाब में थी।

इस आदेश पर पलटवार करते हुए, रूस की संसद ड्यूमा के वरिष्ठ सदस्य विक्टर वोडोलात्स्की ने एक ऐसा बयान दिया है जिससे दुनियाभर की सामरिक चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने रूसी सरकारी समाचार एजेंसी TASS से कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिन पनडुब्बियों को 'उपयुक्त क्षेत्रों' की ओर भेजने की बात कही है, वे पहले से ही हमारे नियंत्रण के दायरे में हैं। इसलिए रूसी संघ को कोई विशेष प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता नहीं है। वोडोलात्स्की यहीं नहीं रुके। उन्होंने सीधे तौर पर चुनौती देते हुए कहा, अमेरिका को दो पनडुब्बियों को आने दीजिए, वे पहले से ही हमारे निशाने पर हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि विश्व महासागरों में रूसी परमाणु पनडुब्बियों की संख्या अमेरिका की तुलना में कहीं अधिक है। हालांकि, इस तनावपूर्ण माहौल के बीच उन्होंने बातचीत का एक दरवाजा भी खोलने की कोशिश की। वोडोलात्स्की ने कहा, अब जरूरत इस बात की है कि रूस और अमेरिका के बीच एक मौलिक समझौता हो, जिससे दुनिया भर में तीसरे विश्व युद्ध को लेकर जारी अटकलें समाप्त हों। इस बयान ने अमेरिका-रूस के बीच बढ़ते टकराव की आग में घी डालने का काम

अमेरिका रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने वाले कदम उठाएगा

ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन के साथ शांति समझौते के लिए आठ अगस्त तक का समय दिया है। समझौता न होने पर अमेरिका रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने वाले कदम उठाएगा। रूस पर लगने वाले नए प्रतिबंधों का समय बताने से फिलहाल इनकार किया है।

टेस्ला का ऑटोपायलट मोड नाकाम, टक्कर से हुई लड़की की मौत; देना होगा 2100 करोड़ मुआवजा

सैन फ्रांसिस्को ,,एजेंसी । अमेरिका में एक फेडरल जूरी ने अरबपति कारोबारी एलन मस्क के नेतृत्व वाली इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला पर 2019 में हुई एक दुर्घटना के पीड़ितों को 240 मिलियन डॉलर (भारतीय करंसी के मुताबिक 2100 करोड़) से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया है। यह दुर्घटना कथित तौर पर कंपनी की खराब ऑटोपायलट ड्राइवर असिस्टेंस टेक्नोलॉजी के कारण हुई थी। पीड़ितों के अनुसार, जूरी ने टेस्ला के सिस्टम को दुर्घटना के लिए आंशिक रूप से जिम्मेदार पाया। 2019 में हुई इस दुर्घटना में एक टेस्ला मॉडल 3 कार ने देर रात सड़क किनारे तारों को निहार रहे प्रेमी युगल नाइबेल बेनावाइड्स लियोन और डिलन एंगुलो को टक्कर मार दी थी, इसमें 22 वर्षीय लियोन की मृत्यु हो गई थी, जबकि एंगुलो गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दुर्घटनाग्रस्त टेस्ला कार के ड्राइवर ने अपने मोबाइल फोन के कारण ध्यान भटकने की बात स्वीकार की है, लेकिन जूरी ने निष्कर्ष निकाला कि टेस्ला की ऑटोपायलट तकनीक भी विफल रही और कंपनी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती।

न्यायालय के रिकॉर्ड के अनुसार, जूरी ने 200 मिलियन डॉलर का दंडात्मक हर्जाना, लियोन के परिवार को 59 मिलियन डॉलर का प्रतिपूरक हर्जाना और एंगुलो को 70 मिलियन डॉलर का हर्जाना देने का आदेश दिया। कई रिपोर्टों के अनुसार, इस फैसले में यह माना गया कि कंपनी तकनीकी खराबी जैसे कि ड्राइवर असिस्टेंस टेक्नोलॉजी या ऑटोपायलट की खराबी के लिए नैतिक जिम्मेदारी लेगी, भले ही मानवीय भूल ही क्यों न हुई हो।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

पीएम मोदी ने खाते में भेज दिया 20वीं किस्त का पैसा

चुनाव आयोग ने बीएलओ का पारिश्रमिक बढ़ाकर दोगुना किया

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-61 > अंक -220 रायपुर शनिवार 02 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को समन जारी, 28 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश

नई दिल्ली, दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले में वाड्रा को समन जारी किया है. स्पेशल जज सुशांत चंगोट्रा ने वाड्रा को 28 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है.

कोर्ट ने वाड्रा को समन जारी करने के मामले में 24 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था. बता दें कि 17 जुलाई को ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ हरियाणा के शिकोहपुर भूमि से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल किया था. इसमें वाड्रा और 10 अन्य लोगों के नाम हैं. उनकी कंपनी, मेसर्स स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भी शामिल है. ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा और उनकी कंपनी की 37.64 करोड़ की 43 संपत्तियों को मनी लाऊंड्रिंग के मामले में जब्त किया है. इस मामले की शुरुआत 2008 में हुई थी. गुरुग्राम के शिकोहपुर में जमीन का सौदा हुआ था. स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने साढ़े तीन एकड़ जमीन मात्र साढ़े सात करोड़ रुपये में खरीदी थी।

प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी पहुंचे, 2,200 करोड़ की परियोजनाएं शुरू कीं

पाक ने कोई पाप किया तो यूपी में बनी मिसाइलें दुश्मन देश को कर देंगी तबाह

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता कांग्रेस और उनके चेले-चपाटे नहीं पचा पा रहे : प्रधानमंत्री मोदी

रायपुर/नई दिल्ली, संवाददाता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर हैं। यह उनका वाराणसी का 51वां दौरा है। वहां उन्होंने करीब 2,200 करोड़ रुपये की लागत वाली 52 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त की राशि भी भेजी। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। भारी बारिश के बीच करीब 50,000 लोग सभास्थल पहुंचे। प्रधानमंत्री ने अपना संबोधन भोजपुरी से शुरू किया। आगे उन्होंने कहा, मैं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार काशी आया हूं। जब 22 अप्रैल को पहलगाम हमला हुआ था, 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या की गई, उनके परिवार की पीड़ा, उन बेटियों की वेदना से मेरा हृदय तकलीफ से भर गया। मैंने

अपनी बेटियों के सिंदूर का बदला लेने के लिए जो वचन दिया था, वो भी पूरा हुआ। ये महादेव के आशीर्वाद से ही पूरा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हमारे देश के कुछ लोगों को भी पेट में दर्द हो रहा है। ये कांग्रेस पार्टी और उनके चेले-चपाटे इस बात को पचा नहीं पा रहे कि भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। पाकिस्तान के कई सारे एयरबेस आईसीयू में हैं। पाकिस्तान दुखी है। ये तो सब कोई समझ सकता है, लेकिन पाकिस्तान का ये दुख समाजवादी पार्टी और कांग्रेस से सहन नहीं हो रहा।

मोदी ने पाकिस्तान को चेताया

पीएम मोदी ने कहा कि अगर फि र पाकिस्तान ने कोई पाप किया तो यूपी में बनी मिसाइलें दुश्मन देश पाकिस्तान को तबाह कर देंगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत पर जो वार करेगा, वो पताल में भी नहीं बचेगा।

कांग्रेस सेना का कर रही अपमान-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी विपक्षों को नहीं पच रही है। कांग्रेस और उसके चेले लगातार सेना का अपमान कर रहे हैं। उधर आतंकियों का आका रोता है। इधर कांग्रेस और सपा आतंकियों की हालत देखकर रोते हैं। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा है। पीएम मोदी ने जनता से पूछा कि क्या सिंदूर तमाशा हो सकता है क्या?

'नया भारत पहलगाम के अपराधियों को 'मिट्टी में मिलाने' का माद्दा रखता है

'दुनिया ने भारत की शक्ति व सामर्थ्य का किया एहसास'

एजेंसी। वाराणसी पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास किया है. नया भारत पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर और दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने का माद्दा रखता है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में शनिवार को वाराणसी में आयोजित को संबोधित किया।

इस कार्यक्रम में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत पावन श्रावण मास में देवाधिदेव महादेव के धाम और अपने संसदीय क्षेत्र काशी में आने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत-अभिनंदन किया. इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, प्रदेश सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सुरेश खन्ना, अनिल राजभर, रविंद्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र 'दयालु' आदि मौजूद रहे.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की काशी में उपस्थिति और उनका मार्गदर्शन सावन महीने के ऐसे समय में हुआ है, जब पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत के सामर्थ्य और शक्ति का अहसास किया है. उन्होंने कहा, ÷ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन के उपरांत प्रधानमंत्री मोदी का आगमन यहां हुआ है. इस अवसर पर उत्तर प्रदेशवासियों की ओर से मैं उनका स्वागत करता हूं.÷

'पीएम मोदी संसद में अविनाशी का प्रतिनिधित्व करते हैं' सीएम योगी ने कहा, ÷सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री संसद में इस अविनाशी काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं. प्रधानमंत्री कहते हैं कि काशी की आत्मा सनातन और आत्मीयता वैश्विक है. काशी 11 वर्ष में नूतन व पुरातन के साथ आध्यात्मिकता व आधुनिकता के नए संगम के रूप में दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनी है. यह पहली बार हो रहा होगा, जब कोई प्रधानमंत्री अपने क्षेत्र में 51वीं बार उपस्थित हुए होंगे.÷

किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी

नईदिल्ली । एजेंसी। बिहार दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही हैं और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। पटना में पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 21,000 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई और केंद्र व राज्य सरकारें मिलकर किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही हैं। किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी हैं। शिवराज सिंह चौहान ने आगे

कहा कि मैं किसानों का सेवक हूँ और किसानों की सेवा करना ईश्वर की पूजा के समान है। आज हम किसानों के बीच गए और उनसे मिले... किसान जो चाहेगा, खरीदेगा; उसे खाद के साथ-साथ अन्य चीजें खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता... किसानों के साथ इस तरह की जबरदस्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हम सख्त कार्रवाई करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा केवल स्वदेशी सामान खरीदने का आह्वान करने के बाद, केंद्रीय मंत्री चौहान ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि पटना के किसानों ने संकल्प लिया है कि वे केवल 'मेड इन इंडिया' उत्पाद ही खरीदेंगे।

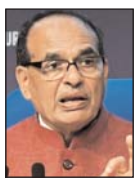

अमेरिकी टैरिफ के बीच बोले पीएम मोदी : किसानों और छोटे उद्योगों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दिल्ली,।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि किसानों, छोटे उद्योगों और युवाओं का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही कहा कि देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 7 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की गई है। अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी से पैदा हुई उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती की पुष्टि करते हुए कहा कि देश को अपने आर्थिक हितों के प्रति सतर्क रहना चाहिए और स्वदेशी उत्पादों को अपनाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में एक रैली के दौरान कहा, वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का माहौल है। सभी देश अपने-अपने हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और इसलिए भारत को अपने आर्थिक हितों के प्रति सतर्क रहना होगा।

इस सप्ताह की शुरुआत में, ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। साथ ही कहा था कि रूसी तेल खरीदने पर भारत को अतिरिक्त टैरिफ दंड का भी सामना करना पड़ेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा यह दावा किए जाने के बाद कि भारत ने संभवतः रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है, सरकारी सूत्रों ने शनिवार को स्पष्ट किया कि रूस से तेल आयात पर ऐसी कोई रोक नहीं है। सूत्रों के अनुसार, भारत की ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की ताकतों से प्रेरित है। हमारे पास भारतीय तेल कंपनियों द्वारा रूसी आयात रोकने की कोई रिपोर्ट नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, सरकार देश के सर्वोत्तम हित में हर संभव प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने रैली में अपने भाषण के दौरान कहा, जो लोग देश का भला चाहते हैं और भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना चाहते हैं, उन्हें अपने मतभेदों को भुलाकर स्वदेशी उत्पादों के लिए संकल्प लेना चाहिए। हम केवल वही चीजो खरीदेंगे जो भारतीयों द्वारा बनाई गई हैं। हमें वोकल फॉर लोकल को अपनाने की जरूरत है।

झारखंड : शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन बाथरूम में गिरे, ब्रेन में ब्लड क्लॉट

संवाददाता। झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास फिसलकर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. उन्हें इलाज के लिए जमशेदपुर के टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया. जानकारी के मुताबिक, शिक्षा मंत्री बाथरूम में फिसलकर गिर पड़े. इससे उनके सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं. उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है. वहीं झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इसे लेकर पोस्ट किया है और मंत्री रामदास सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है. इरफान अंसारी ने बताया कि बाथरूम में गिरने से शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के ब्रेन में चोट व ब्लड क्लॉट हुआ है. उन्हें एयरलिफ्ट कर दिल्ली ले जाया गया है.

अमरनाथ यात्रा पर लगा ब्रेक, प्रशासन का बड़ा ऐलान- अब नहीं होंगे दर्शन

श्रीनगर। बाबा बर्फानी के दर्शन की आस में बैठे लाखों श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पवित्र अमरनाथ यात्रा को समय से पहले ही समाप्त करने का ऐलान कर दिया है। यह यात्रा 9 अगस्त, रक्षाबंधन के दिन तक चलनी थी, लेकिन खराब मौसम और क्षतिग्रस्त रास्तों के कारण इसे 3 अगस्त से ही रोकने का फैसला लिया गया है। कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने इस फैसले की

पुष्टि करते हुए बताया कि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण यात्रा के दोनों प्रमुख मार्गों, बालटाल और पहलगाम, को भारी नुकसान पहुँचा है। इन रास्तों की मरम्मत का काम तत्काल शुरू किया जाना है, जिसमें भारी मशीनरी और कर्मियों को लगाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया, रास्तों पर मरम्मत का काम चलने के कारण यात्रियों की आवाजाही संभव नहीं है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए यात्रा को यहीं रोकना पड़ रहा है। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी। यात्रा रोके जाने तक, इस वर्ष 4.10 लाख श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में कम है।

विश्व 2020 से 2024 तक ब्रिटेन से 311 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया

अमेरिका ने 2025 में अब तक 1,703 भारतीयों को किया डिपोर्ट

सबसे ज़्यादा पंजाब और हरियाणा से

एजेंसी ।

वाशिंगटन ,अमेरिका ने साल 2025 के पहले 7 महीनों में कुल 1,703 भारतीय नागरिकों को देश से डिपोर्ट किया है, जिनमें 141 महिलाएं भी शामिल हैं। यह जानकारी विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर के दौरान दी।

सिंह ने बताया कि 2020 से 2024 के बीच 5,541 भारतीयों को अमेरिका से भारत भेजा गया, जबकि साल 2025 में 22 जुलाई तक यह आंकड़ा 1,703 तक पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि डिपोर्ट किए गए नागरिकों में सबसे ज्यादा 1,562 पुरुष और 141 महिलाएं थीं। सरकारी

आंकड़ों के अनुसार, डिपोर्ट किए गए भारतीयों में सबसे ज्यादा 620 लोग पंजाब से, 604 लोग हरियाणा, 245 लोग गुजरात और 10 लोग जम्मू-कश्मीर से थे। जबकि 6 लोगों के राज्य की पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई है।

सरकार ने डिपोर्टेशन के लिए अमेरिका द्वारा इस्तेमाल किए गए तरीकों की जानकारी भी साझा की, फरवरी में 333 भारतीयों को अमेरिकी सैन्य विमानों से भेजा गया। मार्च में 231 लोग ICE (यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट) के चार्टर्ड विमानों से लौटे। जुलाई में 300 नागरिकों को ष्ठ॥स् (डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी) के विमान से डिपोर्ट किया गया। इसके अतिरिक्त पानामा से 72 भारतीय व्यावसायिक उड़ानों से लौटे और 767 अन्य नागरिकों को अमेरिका से व्यक्तिगत या छोटे समूहों में कमर्शियल फ्लाइट्स से भारत भेजा गया। कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि 2020 से 2024 तक ब्रिटेन से 311 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया, जबकि 2025 में अब तक 131 लोगों को वापस भेजा गया है। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि ब्रिटेन से जुड़े आंकड़ों में कुछ भिन्नता संभव है, क्योंकि कई बार वैध दस्तावेज वाले लोगों को भी तुरंत डिपोर्ट कर दिया जाता है।

अमेरिकी पनडुब्बियों पर रूस की सीधी चेतावनी ; दुनिया में बढ़ा तनाव

आने दो, तुम पहले से ही हमारे निशाने पर हो': रूस ने चेताया

नईदिल्ली,।

वाशिंगटन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक आदेश ने दुनिया की दो महाशक्तियों को एक बार फिर आमने-सामने ला खड़ा किया है, जिससे वैश्विक तनाव चरम पर पहुँच गया है। ट्रंप द्वारा परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने के आदेश पर रूस ने बेहद तीखी और चेतावनी भरी प्रतिक्रिया दी है। रूस ने साफ कहा है कि अमेरिकी पनडुब्बियां पहले से ही उसके रडार पर हैं। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर यह ऐलान किया कि उन्होंने दो अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों को उत्तेजक गतिविधियों वाले क्षेत्रों की ओर भेजने का आदेश दिया है। माना जा रहा है कि ट्रंप की यह प्रतिक्रिया रूस के सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव के हालिया भड़काऊ बयानों के जवाब में थी।

अमेरिका रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने वाले कदम उठाएगा

ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन के साथ शांति समझौते के लिए आठ अगस्त तक का समय दिया है। समझौता न होने पर अमेरिका रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने वाले कदम उठाएगा। रूस पर लगने वाले नए प्रतिबंधों का समय बताने से फिलहाल इनकार किया है।

इस आदेश पर पलटवार करते हुए, रूस की संसद डूमा के वरिष्ठ सदस्य विक्टर वोडोलात्स्की ने एक ऐसा बयान दिया है जिससे दुनियाभर की सामरिक चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने रूसी सरकारी समाचार एजेंसी TASS से कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिन पनडुब्बियों को 'उपयुक्त क्षेत्रों' की ओर भेजने की बात कही है, वे पहले से ही हमारे नियंत्रण के दायरे में हैं। इसलिए रूसी संघ को कोई विशेष प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता नहीं है।

वोडोलात्स्की यहीं नहीं रुके। उन्होंने सीधे तौर पर चुनौती देते हुए कहा, अमेरिका की दो पनडुब्बियों को आने दीजिए, वे पहले से ही हमारे निशाने पर हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि विश्व महासागरों में रूसी परमाणु पनडुब्बियों की संख्या अमेरिका की तुलना में कहीं अधिक है। हालांकि, इस तनावपूर्ण माहौल के बीच उन्होंने बातचीत का एक दरवाजा भी खोलने की कोशिश की। वोडोलात्स्की ने कहा, अब जरूरत इस बात की है कि रूस और अमेरिका के बीच एक मौलिक समझौता हो, जिससे दुनिया भर में तीसरे विश्व युद्ध को लेकर जारी अटकलें समाप्त हों। इस बयान ने अमेरिका-रूस के बीच बढ़ते टकराव की आग में घी डालने का काम

टेस्ला का ऑटोपायलट मोड नाकाम, टक्कर से हुई लड़की की मौत; देना होगा 2100 करोड़ मुआवजा

सैन फ्रांसिस्को ,,एजेंसी । अमेरिका में एक फेडरल जूरी ने अरबपति कारोबारी एलन मस्क के नेतृत्व वाली इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला पर 2019 में हुई एक दुर्घटना के पीड़ितों को 240 मिलियन डॉलर (भारतीय करंसी के मुताबिक 2100 करोड़) से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया है। यह दुर्घटना कथित तौर पर कंपनी की खराब ऑटोपायलट ड्राइवर असिस्टेंस टेक्नोलॉजी के कारण हुई थी। पीड़ितों के अनुसार, जूरी ने टेस्ला के सिस्टम को दुर्घटना के लिए आंशिक रूप से जिम्मेदार पाया। 2019 में हुई इस दुर्घटना में एक टेस्ला मॉडल 3 कार ने देर रात सड़क किनारे तारों को निहार रहे प्रेमी युगल नाइबेल बेनावाइड्स लियोन और डिलन एंगुलो को टक्कर मार दी थी, इसमें 22 वर्षीय लियोन की मृत्यू हो गई थी, जबकि एंगुलो गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दुर्घटनाग्रस्त टेस्ला कार के ड्राइवर ने अपने मोबाइल फोन के कारण ध्यान भटकने की बात स्वीकार की है, लेकिन जूरी ने निष्कर्ष निकाला कि टेस्ला की ऑटोपायलट तकनीक भी विफल रही और कंपनी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती।

न्यायालय के रिकॉर्ड के अनुसार, जूरी ने 200 मिलियन डॉलर का दंडात्मक हर्जाना, लियोन के परिवार को 59 मिलियन डॉलर का प्रतिपूरक हर्जाना और एंगुलो को 70 मिलियन डॉलर का हर्जाना देने का आदेश दिया। कई रिपोर्टों के अनुसार, इस फैसले में यह माना गया कि कंपनी तकनीकी खराबी जैसे कि ड्राइवर असिस्टेंस टेक्नोलॉजी या ऑटोपायलट की खराबी के लिए नैतिक जिम्मेदारी लेगी, भले ही मानवीय भूल ही क्यों न हुई हो।

एम्स, रायपुर में मुंशी प्रेमचंद जयंती एवं हिंदी कार्यशाला का आयोजन

रायपुर। संवाददाता। एम्स, रायपुर के तत्त्वावधान में राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा भारतीय समाज के महागाथा के लेखक एवं 'उपन्यास सम्राट' मुंशी प्रेमचंद जी की 145 वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्रो.(डॉ.) एली महापात्र, अधिष्ठाता(शैक्षिक) मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथि डॉ. मृत्युंजय राठौड़, प्राध्यापक, शरीर रचना विज्ञान विभाग, डॉ. राकेश कुमार गुप्ता, अतिरिक्त प्राध्यापक, पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन विभाग द्वारा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा-सुमन अर्पित किया गया तथा दीप प्रज्वलन कर इस कार्यक्रम की शुभ शुरुआत की गई। कार्यक्रम में प्रेमचंद जी का जीवन परिचय एवं उनके प्रमुख कहानियों एवं उपन्यासों के बारे में संस्थान के छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों के समक्ष सारगर्भित व्याख्यानों की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में प्रेमचंद जी के उपन्यास 'प्रतिज्ञा' एवं उनकी कहानी 'पूस की रात' के सारांशों की प्रस्तुति के माध्यम से उपस्थित छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों को प्रेमचंद जी की प्रमुख रचनाओं को पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया जिससे हिंदी भाषा के प्रति युवाओं का रूझान बढ़ें। इस कार्यक्रम में प्रेमचंद जी की प्रमुख रचनाओं से संकलित सूक्तियों पर भी चर्चा की गई जिससे व्यक्तित्व परिष्कृत हो और प्रगतिशील समाज की नींव रखी जा सकें। इस विशिष्ट अवसर पर संस्थान के एमबीबीएस छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाट्य रूपांतरण प्रेमचंद जी की कालजयी उपन्यास 'गबन' की प्रस्तुति की गयी। जो हमें यह सोचने पर विवश कर देती है कि कैसे एक साधारण व्यक्ति परिस्थितियों के वशीभूत होकर नैतिक मूल्यों से समझौता कर बैठता है। मुख्य अतिथि के रूप में अधिष्ठाता (शैक्षिक) महोदया प्रो.(डॉ.) एली महापात्र ने दर्शक दीर्घा में उपस्थित लोगों से 'हिंदी साहित्य के अमूल्य धरोहर एवं महत्त्वपूर्ण विचारों को विलुप्त होने से बचाने का आह्वान किया'। उन्होने सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों से अस्पताल में नैतिक वातावरण पर विशेष बल देने का आग्रह किया। उन्होने संवेदना को व्यवहार में लाने पर विशेष बल दिया। संस्थान के अस्थि रोग विभाग के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) आलोक चंद्र अग्रवाल, ने मुंशी प्रेमचंद जी के कहानियों के माध्यम से कहा कि उनके पात्र युग के हासियें पर खड़े होकर समय के बदलाव की मांग करते है। साथ ही उन्होंने पंच परमेश्वर कहानी के माध्यम से अलगू चौधरी एवं जुम्मन शेख के माध्यम से नैतिकता का पाठ पढ़ाया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों के मध्य प्रेमचंद जी से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया एवं उन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री निधि जयसवाल, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक द्वारा किया गया। इसके साथ ही साथ इस कार्यक्रम के आयोजन में सहायक के तौर पर शिवानी कुमारी जी भी रहीं।

इस कार्यक्रम का समापन डॉ. राकेश गुप्ता, अतिरिक्त प्राध्यापक, पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन विभाग ने इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों एवं सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापन किया।

राखी के बाजार सजे, रक्षाबंधन 9 को

रायपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन पूर्णिमा के अवसर पर राजधानी सहित प्रदेश भर में रक्षाबंधन का त्यौहार धूमधाम से मनाने की तैयारियां जोरशोर से चल रही है। भाई बहन के इस पवित्र त्योहार के लिए शहर के गोल बाजार सदर बाजार रामसागर पारा गुढ़ियारी पुरानी बस्ती मालवीय रोड सहित शहर में स्थित माल्स में रंग बिरंगी राखियां एक रुपये से लेकर अधिकतम मूल्यों पर बेची जा रही है। शाम होते ही शहर की मालवीय रोड सदर बाजार एवं गोलबाजार की सड़कें खचाखच भीड़ से भर जाती है। दुकानदारों के अनुसार इस वर्ष भी सामायिक विषय पर आधारित राखी बहनें अधिक पसंद कर रही है। रक्षाबंधन 9 अगस्त को मनाया जाएगा। सदर बाजार में चांदी एवं प्लेटिनम राखियां आकर्षक डिजाइनों में उपलब्ध है। बहनें अपनी भाईयों की कलाई सजाने के लिए प्लेटिनम एवं चांदी की राखियां भी खरीद रही है। पौराणिक मान्यता के अनुसार यम की बहन यमुना ने संकट आने पर अपनी भाई से रक्षा का वचन लिया था और यमराज ने अपने वचन का पालन करते हुए यमुना की प्राण रक्षा की थी तब से यह पर्व रक्षाबंधन के रूप में सदियों से मनाया जा रहा है।

वहीं एक अन्य कथा के अनुसार द्वापर युग में द्रोपदी के चीरहरण के समय भगवान श्री कृष्ण ने उनकी पुकार सुनकर उनकी लाज रखी थी इसके पीछे भी श्री कृष्ण की ऊंगली में रक्त बहने पर अपनी साड़ी का हिस्सा काटकर द्रोपदी ने श्री कृष्ण की ऊंगली में बांधा था। उसी समय से भगवान श्री कृष्ण ने द्रोपदी को अपनी बहन के रूप में स्वीकार किया था। यह भाव भी रक्षाबंधन के दिन देखा जाता है। बहनें भाईयों के हाथों में राखी बांधती है बदले में उन्हें अपनी बहनों की रक्षा का वचन देना होता है इतिहास में ऐसे अनगिनत उदाहरण है जब राखी की एक डोर के लिए योद्धाओं ने अपनी बहनों की प्राण रक्षा करते हुए दुश्मन को हराया और कहीं कहीं पर रक्षा करते हुए प्राणों को त्याग दिया है।

क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी पर कमीशनखोरी का आरोप, दिल्ली दौरे से जुड़े अटकलें तेज

रायपुर । छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास प्राधिकरण (क्रेडा) के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी पर तीन प्रतिशत कमीशन मांगने के गंभीर आरोप लगे हैं। इन आरोपों के बीच शुक्रवार को उनका दिल्ली रवाना होना चर्चाओं का विषय बन गया है। सूत्रों के अनुसार, यह मामला अब राज्य की सीमाओं को पार कर दिल्ली तक चर्चा में आ चुका है।

आरोप है कि अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी अपने निजी सहायक वैभव दुबे के माध्यम से पुराने और पूर्ण हो चुके कार्यों पर भी वेंडरों से तीन प्रतिशत कमीशन की मांग कर रहे हैं। शिकायत में कहा गया है कि कमीशन नहीं देने पर कार्यों की जांच, नोटिस भेजने और ब्लैकलिस्ट करने की धमकियाँ दी जा रही हैं। इससे ठेकेदारों में असंतोष व्याप्त है। इन वेंडरों ने अपनी शिकायत सीधे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तक पहुंचाई है। उनका कहना है कि वे विभागीय टेंडर प्रक्रिया के तहत सोलर सिस्टम स्थापित करते हैं, लेकिन अब बिना कारण उन्हें परेशान किया जा रहा है।

हालांकि, मामले ने नया मोड़ तब लिया जब छत्तीसगढ़ सोलर बिजनेस वेलफेयर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। एसोसिएशन का कहना है कि शिकायत गुमनाम है, इसमें किसी तरह का ठोस प्रमाण या शिकायतकर्ता की पहचान नहीं है। उन्होंने इसे अध्यक्ष के विरुद्ध रची गई साजिश करार दिया और उनका समर्थन किया। भूपेंद्र सवन्नी की दिल्ली यात्रा को लेकर अटकलें तेज हैं, हालांकि अभी तक इस दौरे को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अब सभी की निगाहें इस मामले की जांच और सरकार की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

आईसीएटीटी छग में जल्द एयर एंबुलेंस सेवा करेगा लांच –सरदार राहुल सिंह

0 हेलीकाप्टर से आपातकालीन सेवाओं में मरीजों को संबंधित चिकित्सालय में पहुंचाने में मिलेगी मदद

रायपुर, । आईसीएटीटी छग में ट्रामा देखभाल को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए फ्लाइंग आईसीयू एयर एंबुलेंस सेवा मप्र के बाद छग में शीघ्र लांच करेगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष एमओयू के लिए कंपनी द्वारा प्रस्ताव दिया गया है। एयर एंबुलेंस हेलिकाप्टर सेवा के जरिए वनांछादित क्षेत्रों में सीआरपीएफ आरपीएफ के जवानों को नक्सलियों से गोलीबारी के दौरान तत्काल शासन द्वारा एमओयू किये चिकित्सालय में पहुंचाया गया है। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में डॉ. सरदार राहुल सिंह डॉ. शालिन नलवडे ने संयुक्त रूप से दी। नलवडे एवं राहुल ने पत्रकारवार्ता में बताया कि उक्त सेवाओं का लाभ सड़क दुर्घटनाओं में घायल मरीजों एवं चिकित्सा संस्थानों में शासन के निर्देशानुसार आईसीयू में भर्ती मरीजों को तत्काल उपलब्ध करायी जाएगी। मप्र में इस समय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में अब तक हजारों मरीजों की जान बचाई जा चुकी है। उक्त सेवा यूके द्वारा भारत में उपलब्ध करायी जा रही है। इसमें प्रशिक्षण का आयोजन दो अगस्त को होटल मेंफेयर नया रायपुर में सुबह 11 बजे आयोजित किया गया है। अब तक सड़क दुर्घटनाओं में 2024 के रिकार्ड के अनुसार तत्काल चिकित्सा नहीं मिलने पर एक लाख 80 हजार लोग दुर्घटना का शिकार होकर मृत्यु को प्राप्त हो चुके है। वहीं इसमें 11 प्रतिशत मौतों का आंकड़ा भारत के अन्य राज्यों का रहा है। एम्स एचईएमएस हेम्स के जरिए मरीजों को उपलब्ध करायी जाती है। शासन द्वारा एमओयू करने के उपरांत भोपाल मुंबई हैदराबाद, मदुरई, बेंगलुरू के बाद यह सेवा छग में शुरू की जाएगी उक्त सेवा के मुख्य उद्देश्य मरीजों का जीवन बचाना है। वहीं नक्सली मुठभेड़ में घायल जवानों के प्रति शासन के संवेदनशील रवैये को देखते हुए उनके निर्देशानुसार सघन वन क्षेत्रों में भी एयरएंबुलेंस सेवा उपलब्ध करायी जाएगी। अब तक कांकेर एवं अन्य क्षेत्रों में घायल जवानों को लाने के लिए शासन के विशेष निर्देश पर उपलब्ध करायी गई है।

कलेक्टर ने 6 संविदा कर्मचारियों को सेवा से किया पृथक

जशपुर। ज़िले में समग्र शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत 6 संविदा कर्मचारियों को कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा सेवा से पृथक कर दिया गया है। यह कार्रवाई उनके लगातार अनधिकृत अनुपस्थिति के चलते की गई है।

सेवा से हटाए गए कर्मचारियों में निम्न पदों पर कार्यरत कर्मचारी शामिल हैंःइन सभी कर्मचारियों ने बिना किसी पूर्व सूचना या आवेदन के लंबे समय से ड्यूटी से गैरहाज़िर रहने की वजह से यह कार्रवाई झेली है। विभाग द्वारा पहले भी उन्हें कई बार पत्र भेजकर कार्य पर लौटने का निर्देश दिया गया था, परंतु उनकी ओर से न तो कोई उत्तर मिला और न ही वे कार्य पर उपस्थित हुए। इसके चलते अंतिम सूचना पत्र रजिस्टर्ड डाक से भेजकर उन्हें एक सप्ताह के भीतर उपस्थित होने का अंतिम अवसर दिया गया, लेकिन फिर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। यह व्यवहार छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-03 का उल्लंघन माना गया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का बीजापुर दौरा, बालगृहों, वन स्टॉप सेंटर एवं समर्थ विद्यालय का किया निरीक्षण

बीजापुर । छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मंगलवार को अपने बीजापुर प्रवास के दौरान जिले में संचालित विभिन्न विभागीय संस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के अंतर्गत संचालित बालक बालगृह टुमोरोज फाउंडेशन एवं जिला प्रशासन द्वारा संचालित बालिका गृह का दौरा किया। उन्होंने बच्चों से सीधे संवाद कर उनकी दिनचर्या भोजन, शिक्षा और योग जैसी गतिविधियों की जानकारी ली।

उन्होंने निर्देशित किया कि सभी बच्चों को पढ़ाई के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, विशेषकर ट्यूशन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बालिका गृह में रह रही एक दिव्यांग बालिका के लिए समाज कल्याण विभाग के समन्वय से कृत्रिम पैर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

इसके बाद मंत्री महोदया सखी वन स्टॉप सेंटर पहुंची, जहां उन्होंने वहां मिलने वाली सेवाओं की जानकारी ली। बताया गया कि सेंटर में प्रतिमाह 12 से 20 प्रकरण सामने आते हैं, जिनमें प्रत्येक में औसतन तीन बार काउंसलिंग की जाती है। कुछ गंभीर प्रकरणों में पीड़िता की इच्छा अनुसार उन्हें थाने भेजकर एफआईआर दर्ज कराई जाती है। मंत्री राजवाड़े ने एजुकेशन सिटी स्थित समर्थ विद्यालय का भी भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान संवेदी कक्ष में संवेदना विकास हेतु की जाने वाली गतिविधियों से अवगत होकर दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में प्राप्त व्यवस्थाओं की प्रशंसा की एवं दिव्यांग बच्चों ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति कर मंत्री महोदया का आत्मीय स्वागत भी किए। मंत्री जी ने बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात की पढ़ाई-लिखाई के बारे में बातचीत की और उन्हें फल व चॉकलेट देकर प्रोत्साहित किया।

गंदगी फैलाने वाले होटलों पर नगर निगम की कार्यवाही

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह और नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप द्वारा नगर निगम रायपुर के अधिकारियों, कर्मचारियों को राजधानी शहर के अनुरूप स्वच्छता व्यवस्था में सुधार कर जनअपेक्षित बनाने की दृष्टि से निरंतर सफाई की समीक्षा जानकारी लेकर की जा रही है एवं नगर निगम अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश लगातार दिये जा रहे है। महापौर, जिला कलेक्टर एवं निगम आयुक्त के सफ ाई संबंधी सुधार लाने के निर्देशो का शहर में सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है।

विगत दिवस रात्रि नगर भ्रमण पर निकले रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह को राजधानी शहर में तेलीबांधा मुख्य मार्ग पर दुकानदारों द्वारा कचरा फेंककर गंदगी फैलाये जाने से संबंधित जनशिकायते प्राप्त हुई तो जिला कलेक्टर ने इसे तत्काल संज्ञान में लेते हुए स्वयं स्पाट को देखा और नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप को इस जनशिकायत की जांच करवाकर सही मिलने पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने निर्देशित किया।

रायपुर जिला कलेक्टर के निर्देश पर निगम आयुक्त ने अपर आयुक्त स्वास्थ्य श्री विनोद पाण्डेय और स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती प्रीति सिंह को औचक निरीक्षण कर वस्तुस्थिति की जानकारी लेकर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

नगर निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग नगर निवेश मुख्यालय उडनदस्ता जोन 3 नगर निवेश व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती प्रीति सिंह सहित जोन 3 नगर निवेश उप अभियंता श्री अक्षय भारद्वाज, जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री पूरन कुमार तांडी, निगम स्वास्थ्य विभाग स्वच्छता निरीक्षक श्री गिरिजेश तिवारी सहित अन्य सम्बंधित निगम अधिकारियों की उपस्थिति में वस्तुस्थिति की जानकारी लेने ला तंदूरी रेस्टोरेंट का तेलीबांधा मुख्य मार्ग पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया तो रेस्टोरेंट वालो द्वारा मुख्य मार्ग पर कचरा डाला जाना और वहां मुक्कड बना दिये जाने और सड़क पर गंदगी फैलाये जाने से संबंधित जनशिकायत सही मिली। वहां निगम अधिकारियों ने दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिये तो संबंधित ला तंदूरी रेस्टोरेंट के संचालक द्वारा नियमानुसार आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये। साथ ही ठोस अपशिष्ट नियम का पालन नहीं किया जाना और कचरा रेस्टोरेंट से मुख्य मार्ग में डाला जाना पाकर तत्काल स्थल पर ला तंदूरी रेस्टोरेंट को सीलबंद करने की कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त नगर पालिका निगम अधिनियम का पालन नहीं करने और नियमानुसार आवश्यक दस्तावेजों की कमी होने पर तेलीबाँधा मुख्य मार्ग स्थित एक अन्य दुकान एस के ट्रेडिंग कबाड़ी दुकान को स्थल पर तत्काल सीलबंद करने की कार्यवाही की गयी।

साहू संघ चुनाव पर हाईकोर्ट की रोक, सहायक रजिस्ट्रार के आदेश को चुनौती

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश साहू संघ के आगामी चुनाव पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह फैसला न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की एकल पीठ ने सुनाया है। कोर्ट ने 14 जुलाई 2025 को सहायक रजिस्ट्रार द्वारा दिए गए आदेश के क्रियान्वयन और प्रभाव पर फिलहाल रोक लगाई है। इस मामले की अगली सुनवाई 5 अगस्त को तय की गई है।छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ ने 7 जनवरी 2025 को संघ के चुनाव कराने और बायलॉज में संशोधन संबंधी प्रस्ताव पारित किया था। इसके तहत 30 अप्रैल को चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया, जिसमें तीन माह के भीतर चार चरणों में चुनाव संपन्न कराने की योजना बनाई गई थी।

इसी दौरान किसी सदस्य ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर सहायक रजिस्ट्रार को शिकायत भेजी। शिकायत के आधार पर रजिस्ट्रार कार्यालय ने एक जांच समिति गठित की और 35 दिनों के भीतर चुनाव सम्पन्न कराने का निर्देश जारी कर दिया। यह आदेश सहायक रजिस्ट्रार द्वारा पारित किया गया था।

इस आदेश को प्रदेश साहू संघ ने अधिवक्ता विवेक वर्मा के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिका में कहा गया कि सहायक रजिस्ट्रार का आदेश उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है और इस मामले में रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं सोसाइटीज की ओर से न तो जांच के निर्देश दिए गए थे, न ही किसी समिति के गठन की अनुमति दी गई थी।

स्कूल के पीछे पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, इलाके में मचा हड़कंप

रायपुर। रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब ज्ञान-गंगा स्कूल के पीछे एक पेड़ पर युवक का शव लटका हुआ मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और यह स्पष्ट नहीं है कि मौत किन परिस्थितियों में हुई। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

अमेरिका जैसे देशों की दादागीरी पर अंकुश लगे

विभिन्न देशों के ऐसे छोटे कारोबारी समूहों या ब्लॉकों के बीच होने वाले व्यापार समझौतों से अमेरिका जैसे बड़े देशों की दादागीरी पर यकीनन अंकुश लग सकेगा। समझौते से भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आने तथा कई क्षेत्रों में परस्पर आर्थिक सहयोग गहराने की संभावना है।

बीते 10 वर्षों में 50 अरब डॉलर का एफडीआई इन देशों से भारत पहुंचा था। उम्मीद है कि एफटीए के कार्यान्यन से अगले 5 वर्षों में 50 अरब डॉलर का अतिरिक्त विदेशी निवेश इन देशों से भारत पहुंचेगा। दोनों पक्षों के बीच हुआ समझौता नतीजाकुन होने के लिए जरूरी है कि व्यापार, निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा मिले। दोनों ओर के कारोबारियों के लिए व्यापार-अनुकूल माहौल बने। इसके लिए डेडिकेटेड भारत-ईएफटीए डेस्क शुरू की जा रही है, जो सरकारों और निजी कंपनियों, दोनों के लिए एकल खिड़की प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगी।

जलता रहा चिराग तूफान में

शान बढ़ जाती है वफाओं की
देख कर नाजुकी अदाओं की।

जलता रहा चिराग तूफान में
उसे ताकत मिली हवाओं की।

आ गई याद मां की बारंबार
जब जरूरत पड़ी दुआओं की।

गर्म तासीर खूब देखी है हमने
और ठंडी तासीर तेरी सदाओं की ।

परिंदों नें कही दास्तान कानों में
पंखों से नहीं उड़ान हौसलों की।

मां ने कहा था जाते-जाते संजीव
आपस में न हो दूरी फासलों की।

- संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

मित्रता : रिश्तों की आत्मा और संवेदना की जीवंत सरिता

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

मित्रता वह रिश्ता है, जो न रक्त से बंधा होता है, न किसी सामाजिक अनुबंध से, फिर भी यह जीवन का सबसे आत्मीय और मजबूत संबंध होता है। दोस्ती वह भूमि है जहां प्रेम, विश्वास, अपनत्व, समर्पण और संवेदना एक साथ अंकुरित होते हैं। इसी दुर्लभ और विशुद्ध भाव को सम्मान देने के लिए हर वर्ष अगस्त माह के प्रथम रविवार को 'अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस' मनाया जाता है। मित्रता दिवस का यह दिन केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि वह अवसर है जो रिश्तों की आत्मा को पुनः जागृत करने, टूटते संबंधों को जोड़ने और नफरत की दीवारों के बीच मैत्री के पुल बनाने का निमित्त बनता है। यह दिन एक सार्थक प्रयास है, अपने जीवन की भागदौड़ में उस रिश्ते को याद करने का, जिसने हर मोड़ पर हमें संबल दिया, हौसला दिया और मुस्कुराने की वजह दी।

दुनिया के अधिकांश रिश्ते सामाजिक, पारिवारिक या व्यावसायिक जरूरतों से बने होते हैं, लेकिन मित्रता केवल मानवीयता, करुणा और स्नेह की भावना से जन्म लेती है। इसमें न कोई स्वार्थ होता है, न औपचारिकता, न ही प्रदर्शन। यही कारण है कि श्रीकृष्ण-सुदामा, श्रीराम-विभीषण, गांधी-नेहरू जैसे रिश्ते युगों तक मिसाल बनते हैं। जोसेफ फोर्ट न्यूटन ने कहा है-÷लोग इसलिए अकेले होते हैं क्योंकि वे मित्रता के पुल बनाने की बजाय दुश्मनी की दीवारें खड़ी कर लेते हैं।÷ आज यही सबसे बड़ा संकट है-मनुष्यता की गिरती दीवारें, रिश्तों की सूखती ज़मीन, और आत्मीयता की मरती हुई पुकार। एक बड़ा सवाल है कि क्यों सूख रही है रिश्तों की मिट्टी? आज हम तकनीकी रूप से जितने जुड़ चुके हैं, भावनात्मक रूप से उतने ही दूर हो गए हैं। मोबाइल, सोशल मीडिया, आभासी दुनिया ने संवाद को बढ़ाया है पर संपर्क को नहीं, क्योंकि आत्मा से जुड़ाव संवाद से नहीं, संवेदना से होता है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है, एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद? ज्ञानी, विवेकी, समझदार होने के बाद भी आए दिन मनुष्य क्यों लड़ता झगड़ता है। विवादों के बीच उलझा हुआ तनावग्रस्त क्यों खड़ा रहता है। न वह विवेक की आंख से देखता है, न तटस्थता और संतुलन के साथ सुनता है, न सापेक्षता से सोचता और निर्णय लेता है। यही वजह है कि वैयक्तिक रचनात्मकता समाप्त हो रही है। पारिवारिक सहयोगिता और सहभागिता की भावनाएं टूट रही हैं। सामाजिक बिखराव सामने आ रहा है। धार्मिक आस्थाएं कमजोर पड़ने लगी हैं। आदमी स्वकृत धारणाओं को पकड़े हुए शब्दों की कैद में स्वार्थों की जंजीरों की कड़ियां गिनता रह गया है। ऐसे समय में दोस्ती का बंधन रिश्तों में नयी ऊर्जा का संचार करता है।

दुनिया बदल गई, तौर-तरीके बदल गए, पर दोस्ती की आत्मा आज भी वैसी ही है, शुद्ध, निस्वार्थ और जीवनदायिनी। श्रीकृष्ण और सुदामा की पवित्र मित्रता आज भी यह सिखाती है कि सच्चे दोस्त का मूल्य धन से नहीं, हृदय की आत्मीयता से आंका जाता है। श्रीराम और विभीषण की दोस्ती यह प्रमाण है कि विचारों की भिन्नता के बावजूद दिलों का मेल मित्रता को अमर बना देता है। आज जब रिश्ते स्वार्थों की चौखट पर सिर झुका रहे हैं, तब भी दोस्ती वह रिश्ता है जो बिना किसी अपेक्षा के जीवन को अर्थ देता है। आज की क्षणिक, स्वार्थ पर टिकी दोस्तियां जब टूटती हैं तो व्यक्ति भीतर से बिखर जाता है। तभी किसी विचारक ने कहा था-पहले प्रार्थना करते थे- हे प्रभु! दुश्मनों से बचाना, अब कहना पड़ता है, हे ईश्वर! दोस्तों से बचाना।' क्योंकि अब दोस्ती भी छल-कपट का आवरण ओढ़ चुकी है। जबकि आधुनिक समय में सच्चे मित्र सचमुच जीवन की बांसुरी में बसी आत्माओं के समान अनमोल है। मित्र वही जो जीवन के हर रंग में साथ दे, अंधेरे में दीपक की तरह और उजाले में छांव की तरह। ऐसे मित्र दुर्लभ होते हैं, लेकिन यदि जीवन में एक भी सच्चा मित्र हो तो वह संपत्ति, शक्ति और सुखों से बढ़कर होता है।

आचार्य तुलसी ने मित्रता के लिए जो सात सूत्र दिए, वे आज पहले से अधिक प्रासंगिक हैं-विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय और समन्वय। ये सात सूत्र दोस्ती को सतही नहीं बल्कि आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करते हैं। ये न केवल मित्रता को टिकाऊ बनाते हैं, बल्कि जीवन को भी सकारात्मक दिशा में मोड़ते हैं। दोस्ती के पांच मूलमंत्र हैं-एक-दूसरे की कमियों और अच्छाइयों को बिना शर्त स्वीकार करें। भावनाओं का सम्मान करें और समय दें। रिश्ता हल्का, सहज और मुस्कराहटों से भरपूर हो। पारदर्शिता, ईमानदारी और भरोसे को केंद्र में रखें। दोस्ती को निभाना सीखें, सिर्फ जताना नहीं। इन सूत्रों को अपनाकर हम मित्रता को सिर्फ एक दिवस की औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन की जीवन्तता बना सकते हैं। इसीलिये यदि आज भी कोई रिश्ता है जो समय, दूरी और मतभेद की सीमाएं लांघ सकता है, तो वह सिर्फ दोस्ती है-नवीन युग की पुरातन धरोहर।

विचार-भेद तो स्वस्थ समाज की निशानी हैं, लेकिन मन-भेद समाज को भीतर से खोखला कर देते हैं। क्रांति विचार-भेद से आती है, जबकि विद्रोह मन-भेद से। इसलिए मित्रता केवल भावनाओं की साझा ज़मीन नहीं, सामाजिक क्रांति की प्रयोगशाला भी बन सकती है। इसीलिये चलो एक बार फिर दोस्त बनें अभियान का सूत्रपात करते हुए जीवन को मुस्कान से भरे। इसके लिये मित्रता दिवस केवल एक संदेश नहीं देता, बल्कि एक पुकार है, जीवन को फिर से रंगीन, मधुर और अर्थपूर्ण बनाने की। दोस्ती का यह दिवस आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बाहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर दोस्ती की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। दोस्ती की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। दोस्ती को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। हेलेन केलर ने ठीक ही कहा था-÷मैं उजाले में अकेले चलने के बजाय अंधेरे में एक सच्चे दोस्त के साथ चलना पसंद करूंगी।÷ इसलिए आइए, इस दिन एक संकल्प लें-कि हम दोस्ती को केवल सोशल मीडिया की पोस्ट नहीं, बल्कि दिल की सच्ची अनुभूति बनाएंगे। हम मित्रता को उपहारों से नहीं, समर्पण, सहयोग और संवेदना से सजायेंगे। क्योंकि दोस्ती ही वह जादुई संवेदना है जो जीवन को भीतर से रोशन करती है, और हमारे अस्तित्व को एक नई परिभाषा देती है। पुरातन काल में जहाँ मित्र धर्म निभाना जीवन-मूल्य था, आज वह धर्म हमारी संवेदनाओं की अंतिम आशा बन गया है। मित्रता अब एक दिन का उत्सव नहीं, जीवन की जरूरत है, जहाँ न कोई दायित्व होता है, न कोई बंधन, सिर्फ अपनापन होता है। चाहे युग बदले या तकनीक, दिलों की दूरी को मिटा सकने की शक्ति केवल सच्ची दोस्ती ही रखती है।

आवारा कुत्तों की आक्रामकता और मानव सुरक्षा

लेखकः डॉ. मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र पत्रकार

भारत के नगरों, कस्बों और ग्राम्य क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनका आक्रामक व्यवहार सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गम्भीर चुनौती बनता जा रहा है। प्रतिदिन समाचार-पत्रों में कुत्तों द्वारा काटे जाने की घटनाएँ छप रही हैं। नवजात शिशु से लेकर वृद्धजन तक इस संकट के शिकार हो रहे हैं, जिनमें से अनेक को तो जान तक गंवानी पड़ रही है। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि प्रशासनिक उदासीनता, सामाजिक असंवेदनशीलता और वैज्ञानिक सोच की कमी का भी द्योतक है।

(1) कुत्ते क्यों काटते हैं?

यदि हम इस व्यवहार का जैविक और सामाजिक विश्लेषण करें तो निम्नलिखित कारण स्पष्ट होते हैं:

(1.1) क्षेत्रीय प्रवृत्ति (सीमा रक्षा): कुत्ते अपने भोजन, विश्राम या प्रजनन क्षेत्र की सुरक्षा के प्रति अत्यंत सजग होते हैं। जब कोई अपरिचित व्यक्ति उनके क्षेत्र में प्रवेश करता है तो वे उसे खतरे के रूप में देखकर आक्रामक हो जाते हैं।

(1.2) भय और पूर्व अनुभव:

यदि कुत्तों के साथ पहले दुर्व्यवहार हुआ हो , जैसे पत्थर, लाठी या डंडे से मारा गया हो तो वे डर की प्रतिक्रिया स्वरूप आक्रामक हो सकते हैं। समय के साथ यह भय स्थायी आक्रोश में बदल सकता है।

(1.3) बीमारी या पीड़ा:

रेबीज, त्वचा संक्रमण, भूख, आंतरिक रोग या गंभीर चोट कुत्तों को मानसिक रूप से अस्थिर बना सकते हैं। इससे वे चिड़चिड़े हो जाते हैं और बिना उकसावे के भी काट सकते हैं।

(1.4) प्रजनन और मातृत्व कालः जनवरी-मार्च एवं जुलाईङ्कसितंबर के बीच प्रजनन काल में नर कुत्ते विशेष रूप से आक्रामक होते हैं। इसी प्रकार मादा कुत्ते अपने शावकों की सुरक्षा में हिंसक प्रतिक्रिया दे सकती हैं।

(2) भारत में कुत्तों द्वारा काटने की घटनाएँ: विश्व स्वास्थ्य संगठन (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार, विश्व में रेबीज से होने वाली कुल मृत्यु का लगभग 35 प्रतिशत भारत में होती हैं। हर वर्ष औसतन 15 से 20 लाख लोग कुत्तों द्वारा काटे जाते हैं, जिनमें से लगभग 20,000 की मृत्यु रेबीज के कारण होती है।इसका प्रमुख कारण नगरीय कचरा प्रबंधन की विफलता, अनियंत्रित जनसंख्या और सड़कों पर रहने वाले कुत्तों को लेकर नीति का अभाव है।

(3) कुत्तों की आक्रामकता के सामाजिक और पोषणीय कारण:

(3.1) अनुचित आहारः

धार्मिक भावनाओं या तथाकथित पुण्य के नाम पर आजकल लोग कुत्तों को ब्रेड, बिस्कुट, जलेबी, टोस्ट आदि उच्च कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन देने लगे हैं, जो उनके पाचन तंत्र के लिए अनुपयुक्त हैं। इससे इनमें गैस, अपच और बेचैनी होती है, जो चिड़चिड़ेपन व आक्रामकता में परिवर्तित हो सकती है।प्रोटीन की कमी मस्तिष्क में संतुलन बनाए रखने वाले सेरोटोनिन हार्मोन को घटा सकती है, जिससे हिंसक प्रवृत्ति जन्म ले सकती है।

(3.2) झुंड प्रवृत्ति और कृत्रिम अपेक्षाएँ:एक ही स्थान पर नियमित भोजन मिलने से कुत्तों में झुंड मानसिकता विकसित हो जाती है। भोजन समय पर न मिलने या अनियमितता होने पर वे सामूहिक रूप से हमला कर सकते हैं।

(4) काटने के पश्चात खतरे और चिकित्सकीय प्रतिक्रिया:

रेबीज एक जानलेवा विषाणुजन्य रोग है, जो तंत्रिका तंत्र और मस्तिष्क को प्रभावित करता है। एक बार लक्षण प्रकट हो जाने के बाद इसका कोई उपचार नहीं है। इसलिए कुत्ते के काटने के 24 घंटे के भीतर रैबीज के इंजेक्शन लगवाना चाहिए।

इसके अतिरिक्त गहरे घावों में टिटनेस, स्टेफाइलोकोकस जैसे बैक्टीरियल संक्रमण का खतरा भी बना रहता है। अतः तत्काल उपचार और चिकित्सकीय परामर्श आवश्यक है।

(5) समाधान के व्यावहारिक उपायः

(5.1) सामूहिक टीकाकरणः

सड़क पर रहने वाले कुत्तों की कम से कम 70त्न जनसंख्या का टीकाकरण किया जाए, जिससे 'सामूहिक प्रतिरक्षा' (हार्ड इम्यूनिटी) विकसित हो सके। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त उपाय है।

(5.2) नसबंदीःअनियंत्रित प्रजनन और उससे जुड़ी आक्रामकता पर नियंत्रण हेतु पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम (एनीमल बर्थ कंट्रोल योजना) को व्यवस्थित और पारदर्शी रूप से लागू किया जाए।

(5.3) संयमित आहार व्यवस्थाःकुत्तों के भोजन के लिए नियत स्थान और सीमित, पौष्टिक आहार की व्यवस्था होनी चाहिए। नागरिकों को यह समझाया जाए कि गलत भोजन देना उन्हें बीमार और आक्रामक बना सकता है।

(5.4) जनशिक्षाःबच्चों को यह सिखाया जाना चाहिए कि वे अकेले कुत्तों के पास न जाएँ, विशेषतः जब वे भोजन कर रहे हों या उनके शावक हों। यदि स्थानीय लोग कुत्तों को देखभाल और नियमित भोजन दें तो यही कुत्ते 'मोहल्ला प्रहरी' भी बन सकते हैं।

(5.5) प्राथमिक उपचार की जानकारीःकाटे जाने पर घाव को तुरंत साबुन और पानी से कम से कम 15 मिनट तक धोना चाहिए, फिर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेकर रैबीज का टीका लगवाना आवश्यक है।

(6) समग्र दृष्टिकोणः नीति, विज्ञान और समाज का समन्वय इस समस्या से मुक्ति दिला सकता है। क्योंकि मेरी दृष्टि में यह समस्या केवल क़ानून या दवाइयों से नहीं सुलझेगी। इसके लिए समन्वित प्रयास आवश्यक हैं, जैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रशासनिक जिम्मेदारी और नागरिक सहयोग।

यदि नगरीय प्रशासन रेबीज टीकाकरण, नसबंदी, ठोस कचरा प्रबंधन और जन-जागरूकता पर ईमानदारी से कार्य करे और समाज भी सहयोग दे, तो इस संकट पर नियंत्रण पाया जा सकता है।कुछ राज्यों में, जैसे बेंगलुरु, में स्थानीय निकायों ने निर्धारित फीड एंड फीडिंग ज़ोन और सामूहिक टीकाकरण के प्रयास आरंभ किए हैं। आने वाला समय बताएगा कि यह प्रयास कितने सफल होते हैं।

सारांशः संतुलित सह-अस्तित्व की ओर

आवारा कुत्तों की समस्या पर प्रतिक्रिया केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण होनी चाहिए। यदि हम उन्हें अनुचित भोजन दें,या भोजन न उपलब्ध कराएं और फिर उनके काटने पर उन्हें दोष दें, तो यह न मानव हित में है, न पशुहित में। अतः समाधान यही नजर आता है कि मानव और पशु के सह-अस्तित्व की अवधारणा को अपनाया जाए। संतुलित आहार, नसबंदी, टीकाकरण, जनशिक्षा और प्रशासनिक प्रतिबद्धता से ही एक सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण समाज की स्थापना संभव है।

यह निजी विचार है।

धार्मिक आस्था का उफान भीड़ प्रबंधन पर पड़ता भारी

जयसिंह रावत

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई को जो कुछ हुआ, वह किसी अप्रत्याशित घटना की तरह नहीं था।

यह हादसा एक बार फिर से उस सच्चाई को सामने लाता है कि धार्मिक आस्था का उफान जब प्रशासनिक विवेक, स्थान की क्षमता और वैज्ञानिक भीड़ प्रबंधन पर भारी पड़ता है, तो आस्था का यह सैलाब त्रासदी में बदल सकता है। उस दिन मंदिर के मुख्य मार्ग की सीढ़ियों पर अचानक भगदड़ मच गई। कहा गया कि किसी ने यह अफवाह फैला दी कि रेलिंग में करंट दौड़ रहा है। नतीजा यह हुआ कि 8 श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई और लगभग 30 श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना हमें बताती है कि हम आज भी उन्हीं भूलों को दोहरा रहे हैं जिनका इतिहास दशकों पुराना है।

मनसा देवी मंदिर पहाड़ी पर स्थित एक अत्यधिक लोकप्रिय शक्तिपीठ है, जहां सावन और नवरात्र जैसे पर्वों पर श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है, लेकिन इस भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह अक्सर उतनी ही कमजोर साबित होती है जितनी कि श्रद्धा प्रबल। यह पहली बार नहीं है जब हरिद्वार में ऐसा हुआ हो। इससे पहले 1986 के कुंभ मेले की भगदड़ में लगभग 200 लोगों की मृत्यु हुई थी। 2011 में हर की पैड़ी पर भी एक भगदड़ में 20 लोग मारे गए थे। इसी प्रकार 8 नवम्बर 2011 को ही शांतिकुंज के एक कार्यक्रम में भी भगदड़ में 20 श्रद्धालुओं की मौत और 30 घायल हो गए थे। इन हादसों का पैटर्न लगभग एक जैसा रहा है, अत्यधिक भीड़, संकरे रास्ते, अफवाहें और प्रशासनिक लापरवाही।

भगदड़ हादसों के मामले में हरिद्वार अकेला नहीं है। देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी इसी तरह की घटनाएं बार-बार होती रही हैं। 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक स्वयंभू बाबा के सत्संग में भगदड़ मची, जिसमें 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी। 2022 में वैष्णो देवी मंदिर में भी नववर्ष के मौके पर भगदड़ मचने से 12 श्रद्धालुओं की जान गई। 2008 में हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में चट्टान खिसकने की अफवाह से भगदड़ मची थी जिसमें 162 लोग मारे गए थे। 2023 में रामनवमी के अवसर पर वहीं एक और भगदड़ हुई, जिसमें 36 श्रद्धालु मरे। इसी महीने मध्य प्रदेश के बागेर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान टेंट गिरने और दीवार ढहने से दो लोगों की मौत हुई। ये आंकड़े महज संख्याएं नहीं, बल्कि व्यवस्थागत असफलताओं के प्रमाण हैं। प्रश्न यह है कि आखिर ये घटनाएं बार-बार क्यों घट रही हैं? एक कारण तो यह जरूर है कि भीड़ को आयोजन और आयोजन स्थल की सफलता का मापदंड माना जाता है। सरकारें और धार्मिक संस्थाएं जितनी अधिक भीड़ जुटा पाती हैं, उसे उतनी ही बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करती हैं।

श्रद्धालुओं की संख्या को लाखों और करोड़ों में गिनाया जाता है, और यह मान लिया जाता है कि आस्था जितनी व्यापक होगी, उतनी ही मान्यता और चढ़ावा भी मिलेगा, परंतु इस मानसिकता में यह भूल जाती है कि किसी भी स्थल की एक सीमा होती है, जिसे कैरीइंग कैपेसिटी कहा जाता है। कैरीइंग कैपेसिटी का अर्थ है किसी स्थल की वह अधिकतम सीमा जहां तक वह पर्यावरणीय, भौगोलिक और संरचनात्मक रूप से भीड़ को सुरक्षित रूप से संभाल सकती है। मनसा देवी मंदिर जैसे स्थलों पर यह सीमा सीमित होती है, सीढ़ियां संकरी हैं, रेलिंग पुरानी हैं, और ऊपर-नीचे आने-जाने का मार्ग एक ही है।

यह निजी विचार है।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला कोरिया की टीम राज्य स्तरीय कब बुलबुल उत्सव हेतु बिलासपुर पहुंची

लोकशक्ति

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य मुख्यालय रायपुर के द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय चतुर्थ चरण हीरक पंख जाँच शिविर एवं कब - बुलबुल उत्सव में सम्मिलित होने हेतु कोरिया जिले के कब बुलबुल की टीम साइंस कॉलेज बिलासपुर पहुंची।

चार दिवसीय यह शिविर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त मान. डॉ. सोमनाथ यादव एवं राज्य सचिव कैलाश कुमार सोनी के निर्देशानुसार दिनांक 02.08.2025 से 05.08.2025 तक स्थान :- नवीन संगीत महाविद्यालय सरकंडा, (साइंस कॉलेज मैदान) जिला बिलासपुर में आयोजित किया जा रहा है द्य जिसमें छत्तीसगढ़ के सभी संभागों के 14 जिलों से कब - बुलबुल सम्मिलित हो रहे है । कोरिया जिले से जिला मुख्य आयुक्त मान. देवेंद्र तिवारी के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त स्काउट कोरिया जितेंद्र कुमार गुप्ता के आदेशानुसार, जिला संगठन आयुक्त स्काउट कोरिया नागेश्वर साहू एवं जिला संगठन आयुक्त गाइड आशा एक्का के मार्गदर्शन में जिला कोरिया से 06 कब, 06 बुलबुल, 01 कब मास्टर, 01 फ्लॉक लीडर कुल 14 सदस्यीय टीम दिनांक 02.08.2025 को बैकुंठपुर बस स्टैंड से जायसवाल बस से रवाना हुए और दोपहर 02:00 बजे शिविर स्थल साइंस कॉलेज बिलासपुर में सकुशल पहुंचे, सम्मिलित होने वाले सदस्यों में विकासखंड सचिव बैकुंठपुर शिवप्रताप सिंह एवं फ्लॉक लीडर प्रमिला टोप्पो के साथ स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय महलपारा से कब - शौर्य कुमार, हर्ष सिंह, किशन, कृष्णा, अरुण कुमार यादव, विराट और सेंट जेवियर्स प्राथमिक शाला रामपुर बैकुंठपुर से बुलबुल - अल्फा, स्वेता यादव, आराधना भगत, आरूही, अप्रिता, रुबीना मिंज सम्मिलित हो रहे हैं।

इस शिविर में प्रतिभागियों को कब - बुलबुल अभिवादन, बड़ी सलामी, जंगल नृत्य, तारा की कहानी, सिक्स कर्नर, बुलबुल ट्री, स्टोरी टेलिंग, प्ले एक्टिंग, मॉडल मेकिंग, पेपर कटिंग, ड्राइंग, पेंटिंग, ग्रुप सांग, ग्रुप डांस, लाल फूल, कलरव सहित चार दिवसीय शिविर में बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विविध रचनात्मक और शैक्षिक गतिविधियाँ करायी जाएगी द्य

राज्य स्तरीय कब-बुलबुल उत्सव में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला कोरिया की टीम पूरे उत्साह और तैयारी के साथ सम्मिलित हुई है। इस चार दिवसीय शिविर में कोरिया की टीम अपने जिले की पहचान, संस्कृति और परंपरा को रचनात्मक माध्यमों से प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सम्मिलित होने वाले बच्चों के साथ - साथ पालक एवं अभिभावक भी काफी उत्साहित है। इस शिविर में कोरिया जिले से सम्मिलित हो रहे सभी प्रतिभागियों को चंदन संजय त्रिपाठी कलेक्टर कोरिया पदेन संरक्षक भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ कोरिया, देवेन्द्र तिवारी जिला मुख्य आयुक्त कोरिया, जितेंद्र कुमार गुप्ता जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त स्काउट जिला कोरिया, रवि कुमार पाण्डेय जिला संघ कोषाध्यक्ष, सुरेंद्र राजवाडे जिला सचिव, नागेश्वर साहू जिला संगठन आयुक्त स्काउट, आशा एक्का जिला संगठन आयुक्त गाइड, सुनील बड़ा जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट, निशा खान जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड, जिला मीडिया प्रभारी रवि प्रसाद बैगा, श्याम कुमार आण्डिल विकासखंड सचिव सोनहत, शिव प्रताप सिंह विकासखण्ड सचिव बैकुंठपुर, सेजेस हिंदी माध्यम विद्यालय के प्रधान पाठक शशिभूषण पाण्डेय, सेंट जेवियर्स रामपुर के प्राचार्य तेज कुमार मिंज एवं अन्य स्काउटर गाइडर ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किए हैं।

आज अयोध्या में माता कौशल्या की मूर्ति के लिए मिट्टी ग्रहण किया गया

संवाददाता। चित्रोत्पला लोक कला परिषद द्वारा ,,माता कौशल्या संग तीजा तिहार ,, का जो आयोजन ग्राम चंदखुरी में किया जा रहा है .जिसके लिए माता कौशल्या की मूर्ति हेतु जो मिट्टी लाने कलाकार द्वय डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर एवं पंडित राजेश शर्मा अयोध्या गए हैं उनके द्वारा आज 02/08/25 को सुबह सरयू नदी में स्नान कर दशरथ भवन के पंडितों के हाथ मिट्टी ग्रहण किया गया.परिषद के निदेशक राकेश तिवारी ने उक्त जानकारी देते हुए आगे बताया के मिट्टी लाने के पश्चात ग्राम निमोरा के मूर्तिकार पीलू साहू जी द्वारा माता कौशल्या तथा बालक श्री राम जी की भव्य मूर्ति बनाकर चन्दखुरी में पंडवानी गायिका श्रीमती प्रभा यादव के घर स्थापित किया जाएगा. जहां पांच दिवसीय कौशल्या माता के संग तीजा तिहार मनाया जाएगा.

स्पेन में भारत के राजदूत दिनेश के. पटनायक, भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्पेन के सेविले में एयरबस डिफेंस एंड स्पेस असेंबली लाइन में 16 एयरबस सी-295 सैन्य परिवहन विमानों में से अंतिम विमान प्राप्त करते समय एक समूह तस्वीर के लिए पोज देते हुए।

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ मंदिर मार्ग पर सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच मुनकटिया में भूस्खलन के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त होने के बाद लोगों को पहाड़ी इलाकों से गुजरने में मदद की जा रही है। भूस्खलन के बाद केदारनाथ की चार धाम यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई है।

अमृत उद्यान का ग्रीष्मकालीन वार्षिकोत्सव 16 अगस्त से 14 सितंबर तक जनता के लिए खुला रहेगा

29 अगस्त को खिलाड़ियों और 5 सितंबर को शिक्षकों के लिए विशेष प्रवेश

पीआईबी

अमृत उद्यान का ग्रीष्मकालीन वार्षिकोत्सव 16 अगस्त से 14 सितंबर, 2025 तक जनता के लिए खुला रहेगा। इस दौरान, उद्यान सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुला रहेगा, और अंतिम प्रवेश शाम 5:15 बजे होगा। रखरखाव के कारण उद्यान सभी सोमवार को बंद रहेगा। राष्ट्रीय खेल दिवस और शिक्षक दिवस के अवसर पर क्रमशः 29 अगस्त को एथलीटों और खिलाड़ियों को तथा 5 सितम्बर को शिक्षकों को अमृत उद्यान में विशेष प्रवेश दिया जायेगा। आगंतुकों के लिए प्रवेश और निकास नॉर्थ एवेन्यू मार्ग के पास स्थित गेट संख्या 35 से होगा। अमृत उद्यान में प्रवेश निःशुल्क होगा। आगंतुक visit.rashtrapatibhavan.gov.in पर ऑनलाइन अपना स्लॉट बुक कर सकते हैं। प्रत्यक्ष आगंतुक गेट संख्या 35 के बाहर स्थित स्वयं-सेवा कियोस्क का उपयोग करके पंजीकरण करा सकते हैं।

आगंतुक उद्यान के अंदर मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक चाबियां, पर्स, हैंडबैग, पानी की बोतलें, बच्चों की दूध की बोतलें और छाते ले जा सकते हैं। इनके अलावा, कोई अन्य वस्तु ले जाने की अनुमति नहीं होगी। गार्डन ट्रेल में बाल वाटिका, हर्बल गार्डन, बोनसाई गार्डन, सेंट्रल लॉन, लॉन्ग गार्डन और सर्कुलर गार्डन शामिल होंगे। पूरे सर्किट में लगाए गए क्यूआर कोड आगंतुकों को विभिन्न पौधों और डिज़ाइन विशेषताओं के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे।

भारत में वृद्धावस्था : उभरती वास्तविकता, विकसित प्रतिक्रियाएँ' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

पीआईबी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री वी. रामसुब्रमण्यन ने मानवाधिकारों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अधिदेश के मुताबिक, वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा, सुरक्षा और कल्याण हेतु प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक सिद्धांतों को, आधुनिक नीतिगत ढाँचों में समाहित करने का अपील की वृद्धावस्था को एक राष्ट्रीय संपत्ति मानते हुए, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के महासचिव श्री भरत लाल ने भारत के सांस्कृतिक संदर्भ से जुड़े नीतिगत ढाँचों में स्कैंडिनेवियाई और जापानी मॉडलों को अपनाने का आह्वान किया

सम्मेलन में समावेशी और वृद्धजनों की सतत् देखभाल के लिए 'भारत में वृद्धावस्थाः चुनौतियाँ और अवसर' नामक एक रिपोर्ट जारी की गई, जिसे कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने संबोधित किया

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत ने नीति आयोग, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर संकला फाउंडेशन को 'भारत में वृद्धावस्थाः उभरती वास्तविकता, विकसित होती प्रतिक्रियाएँ' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने में सहयोग किया। यह सम्मेलन 1 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का मकसद वरिष्ठ नागरिकों के मानवाधिकारों और सम्मान की रक्षा तथा वृद्धावस्था को एक अवसर के तौर पर पुनर्परिभाषित करना था। इसका उद्देश्य भारत की वृद्ध होती आबादी की उभरती चुनौतियों और अवसरों के समाधान हेतु नवीन नीतियों को बढ़ावा देना, हितधारकों के साथ संवाद को प्रोत्साहित करना और सर्वोत्तम प्रथाओं को उजागर करना था।

अपने उद्घाटन भाषण में, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री वी. रामसुब्रमण्यन ने कहा कि भारत की एक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा रही है, जिसमें बुजुर्गों की देखभाल और उनके सम्मान को एक बुनियादी सामाजिक मूल्य समझा जाता है। इस संदर्भ में उन्होंने संगम साहित्य और यजुर्वेद का भी उल्लेख किया। उन्होंने मानवाधिकारों को बनाए रखने के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अधिदेश के अनुरूप, वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा, सुरक्षा और कल्याण के लिए इन प्राचीन मूल्यों और सिद्धांतों को आधुनिक नीतिगत ढाँचों में समाहित करने की अपील की। बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए आयोग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, उन्होंने परामर्श, कोर ग्रुप बैठकें, शोध अध्ययन और स्वतः संज्ञान मामलों सहित आयोग की विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा) डॉ. विनोद के. पॉल ने अपने विशेष संबोधन में वृद्ध होती आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा ढाँचों के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि परिवारों को अपने बुजुर्गों की देखभाल के लिए सशक्त बनाना, भारत के दृष्टिकोण का आधार बना रहना चाहिए।

इससे पहले, अपने मुख्य भाषण में, एनएचआरसी के महासचिव श्री भरत लाल ने सम्मेलन का एजेंडा तय करते हुए कहा कि 2050 तक भारत में करीब 35 करोड़ बुजुर्ग होंगे, जब हर पांच में से एक वरिष्ठ नागरिक होगा, जो एक अहम नीतिगत चुनौती पेश करेगा। उन्होंने भारत की पारिवारिक मूल्य प्रणाली में निहित परिवार और समुदाय-आधारित देखभाल मॉडल विकसित करने और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के पूरक की ज़रुरत पर बल दिया।

आयुर्वेद आहार को अपनाना निवारक स्वास्थ्य सेवा और संतुलित, सतत जीवन शैली की दिशा में एक कदम

पीआईबी

आयुष मंत्रालय के सचिव ने कहा, ÷यह पहल न केवल खाद्य व्यवसाय संचालकों को आवश्यक स्पष्टता प्रदान करती है, बल्कि आयुर्वेद-आधारित पोषण में उपभोक्ताओं के विश्वास को भी मजबूत करती है÷

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने आयुष मंत्रालय के परामर्श से, ÷आयुर्वेद आहार÷ श्रेणी के अंतर्गत आयुर्वेदिक खाद्य पदार्थों की सुस्पष्ट सूची जारी की है। यह महत्वपूर्ण कदम, 2022 में खाद्य सुरक्षा एवं मानक (आयुर्वेद आहार) विनियमों के लागू होने के बाद, भारत के प्राचीन खाद्य ज्ञान को मुख्यधारा में लाता है। ये विनियम, प्रामाणिक आयुर्वेदिक ग्रंथों से प्राप्त व्यंजनों, सामग्री और प्रक्रियाओं पर आधारित खाद्य पदार्थों को मान्यता देते हैं और यह नई सूची उपभोक्ताओं और व्यवसायों, दोनों को अभूतपूर्व स्पष्टता और विश्वास प्रदान करती है।

विनियमों की अनुसूची बी के नोट (1) के अंतर्गत जारी की गई यह सूची, अनुसूची ए में सूचीबद्ध प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों से सीधे ली गई है, जिससे इन खाद्य पदार्थों की प्रामाणिकता और पारंपरिक आधार सुनिश्चित होता है। इस पहल का उद्देश्य आयुर्वेद आहार उत्पादों के निर्माण के लिए एक स्पष्ट और विश्वसनीय संदर्भ प्रदान करके खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) की सहायता करना है।

भविष्य में उत्पादों को जोड़ने की सुविधा के लिए, एफएसएसएआई ने एफबीओ के लिए एक प्रक्रिया स्थापित की है, ताकि वे अभी तक सूचीबद्ध नहीं किए गए अतिरिक्त श्रेणी ए उत्पादों को शामिल करने का अनुरोध कर सकें। ऐसे अनुरोधों के लिए अनुसूची 'ए' में दिए गए प्रामाणिक ग्रंथों से संदर्भों की आवश्यकता होगी। भविष्य में होने वाले सभी अद्यतनों या परिवर्तनों की जानकारी खाद्य प्राधिकरण द्वारा यथाविधि अधिसूचित की जाएगी।

विशेष रूप से, आयुर्वेद आहार भारत की कालातीत खाद्य संस्कृति की समृद्धि का प्रतीक है, जिसकी जड़ें आयुर्वेद में हैं। आयुर्वेद दुनिया की सबसे प्राचीन और समग्र स्वास्थ्य प्रणालियों में से एक है। ये खाद्य उत्पाद प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर तैयार किए जाते हैं, जिनमें समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए पोषण, संतुलन और परंपरा का सम्मिश्रण होता है। नवंबर 2023 में वर्ल्ड फूड इंडिया के उद्घाटन समारोह में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, ÷भारत की सतत खाद्य संस्कृति हज़ारों वर्षों की यात्रा का परिणाम है। हमारे पूर्वजों ने आयुर्वेद को आम लोगों की भोजन शैली से जोड़ा था। जिस प्रकार भारत की पहल पर अंतर्राष्ट्रीय खाद्य संस्कृति का विकास हुआ, योग दिवस ने योग को दुनिया के कोने-कोने तक पहुँचाया, उसी प्रकार अब मोटे अनाज भी दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचेगे।÷

आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने नागरिकों से आयुर्वेद आहार को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने का आग्रह किया, ताकि इसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभों का अनुभव किया जा सके। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत के पारंपरिक ज्ञान पर आधारित ये समय-परीक्षित आहार पद्धतियाँ न केवल शरीर को पोषण देती हैं, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मज़बूत करती हैं, पाचन में सहायता करती हैं और समग्र कल्याण को बढ़ावा देती हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ÷आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में, आयुर्वेद आहार को अपनाना निवारक स्वास्थ्य सेवा और एक संतुलित, सतत जीवन शैली की दिशा में एक अर्थपूर्ण कदम है।÷

आयुष मंत्रालय के सचिव श्री वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि आयुर्वेद आहार उत्पादों की सुस्पष्ट सूची जारी करना भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक नियामक व्यवस्था के साथ संरेखित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सचिव ने कहा, ÷यह पहल न केवल खाद्य व्यवसाय संचालकों को आवश्यक स्पष्टता प्रदान करती है, बल्कि आयुर्वेद-आधारित पोषण में उपभोक्ताओं के विश्वास को भी मज़बूत करती है।÷

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जिसे विश्वविद्यालय स्तर का माना जाता है (नए सिरे से, डी नोवो) और जो इस कार्य के लिए नोडल संस्थान है, के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि आयुष आहार संग्रह का विकास प्राचीन आयुर्वेदिक खाद्य योगों को एक विनियमित व्यवस्था के तहत मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय के मार्गदर्शन में, एनआईए ने प्रामाणिक आयुर्वेदिक ग्रंथों के पारंपरिक सूत्रीकरणों को सावधानीपूर्वक समझकर तैयार किया है, जिससे वैज्ञानिक और ग्रंथ सत्यापन सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा कि यह प्रयास खाद्य निर्माताओं के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में काम करेगा और आम लोगों को आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित सुरक्षित, प्रामाणिक और समय-परीक्षित आहार समाधानों तक पहुँच प्राप्त करने में मदद करेगा।

आयुर्वेद आहार का अर्थ है - आयुर्वेद के समग्र आहार सिद्धांतों के अनुरूप विकसित खाद्य उत्पाद, जो स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़ी दुनिया की सबसे पुरानी प्रणालियों में से एक है। ये व्यंजन संतुलन, मौसमी उपयुक्तता और प्राकृतिक सामग्री और जड़ी-बूटियों के उपयोग पर जोर देते हैं। प्राकृतिक सामग्री और जड़ी-बूटियां अपने चिकित्सीय लाभों के लिए जानी जाती हैं। लोगों की निवारक स्वास्थ्य और सतत जीवन शैली में बढ़ती रुचि के साथ, आयुर्वेद आहार को एक विश्वसनीय पोषण विकल्प के रूप में तेज़ी से मान्यता मिल रही है, जो परंपरा और आधुनिक आहार संबंधी आदतों में सामंजस्य स्थापित करता है। यह पहल उद्योग जगत के हितधारकों के लिए नियामक स्पष्टता बढ़ाने और बेहतर जन स्वास्थ्य परिणामों के लिए आयुर्वेद-आधारित पोषण को व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

इफको में नेतृत्व परिवर्तन पर घनश्याम तिवारी ने दी शुभकामनाएँ

डॉ. अवस्थी के योगदान को बताया ऐतिहासिक

लोकशक्ति जांजगीर चांपा /

विश्व की अग्रणी उर्वरक सहकारी संस्था भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) में एक ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। इफको के अध्यक्ष दिलीपभाई संघानी ने हाल ही में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की कि के.जे. पटेल को इफको का नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर सहकारिता क्षेत्र में सक्रिय सहकार भारती छत्तीसगढ़ के पैक्स प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक घनश्याम तिवारी ने पटेल जी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह बदलाव भारतीय सहकारिता आंदोलन के लिए नई ऊर्जा लेकर आएगा और इफको अपनी गौरवशाली परंपरा को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाएगा।

1967 में स्थापित इफको आज 36,000 से अधिक सहकारी समितियों के माध्यम से करोड़ों किसानों तक अपनी सेवाएँ पहुँचा रहा है। देश में यूरिया और अन्य उर्वरकों के उत्पादन में इफको की भागीदारी सबसे अधिक है। इफको ने समय के साथ कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचार, डिजिटल समाधानों और किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए गाँव-गाँव में अपनी सशक्त पहचान बनाई है। यह संस्था किसानों के हित में हमेशा अग्रणी रही है और आने वाले समय में इसकी जिम्मेदारी और बढ़ेगी।

डॉ. उदय शंकर अवस्थी, जिन्हें सहकारी क्षेत्र में 'फर्टिलाइजर मैन ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाता है, 1993 से इफको के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत थे। उनके चार दशक लंबे दूरदर्शी नेतृत्व में इफको ने देश के भीतर और विदेशों में अभूतपूर्व विस्तार किया। अफ्रीका और कनाडा जैसे देशों में संयुक्त उपक्रम स्थापित किए गए, नैनो यूरिया जैसे अभिनव उत्पाद विकसित हुए, और इफको ने किसानों की लागत को कम कर उनकी आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. अवस्थी के योगदान को भारतीय सहकारिता आंदोलन हमेशा स्मरण करेगा। इफको के नए एमडी केजे पटेल मूलतः गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र से हैं। उन्होंने सौराष्ट्र विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की और उर्वरक उद्योग में 32 वर्षों का अनुभव अर्जित किया है। उन्होंने लंबे समय तक इफको के पारादीप संयंत्र का नेतृत्व किया, जो देश का सबसे बड़ा जटिल उर्वरक संयंत्र माना जाता है। पटेल जी को परिचालन उत्कृष्टता, पर्यावरणीय प्रबंधन और टिकाऊ उत्पादन में उनकी दक्षता के लिए जाना जाता है। उनके नेतृत्व में इफको के परिचालन में और अधिक पारदर्शिता और नवाचार देखने को मिलेगा।

घनश्याम तिवारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे कृषि प्रधान राज्य में इफको की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश की हजारों पैक्स समितियों के माध्यम से इफको के उर्वरक किसानों तक पहुँचते हैं, जिससे किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इफको ने किसानों को मृदा परीक्षण, उन्नत खेती, जैविक खेती और जल प्रबंधन जैसे विषयों में प्रशिक्षित कर छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूती प्रदान की है। तिवारी जी ने कहा कि सहकार भारती लगातार पैक्स समितियों को सशक्त बनाने का काम कर रही है।

प्रदेश संयोजक घनश्याम तिवारी ने कहा कि ÷हम सहकार भारती छत्तीसगढ़ की ओर से के.जे. पटेल जी को इफको के प्रबंध निदेशक बनने पर हार्दिक शुभकामनाएँ देते हैं और डॉ. यू.एस. अवस्थी जी को उनके अतुलनीय योगदान के लिए सहकारिता क्षेत्र की ओर से नमन करते हैं। हम सभी पैक्स समितियों, सहकारी नेताओं और किसानों से आह्वान करते हैं कि वे इफको के नए नेतृत्व को भरपूर सहयोग देकर सहकारिता को नई ऊर्जा दें और 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को गाँव-गाँव तक पहुँचाएँ।÷ उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में इफको के नवाचार किसानों की आय बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे।

सहकार भारती छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चंद्रवंशी, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री रामप्रकाश केशरवानी, प्रदेश महामंत्री श्री कनीराम जी, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सत्येंद्र शर्मा एवं श्री अशोक जी , प्रदेश मंत्री श्रीमती जया द्विवेदी , श्री मनोज तिवारी, प्रदेश संयोजक मछुआ प्रकोष्ठ श्री नरेश मल्लाह, श्री गणेशराम साहू, श्री रामकुमार श्रीवास, श्री महादेव नेताम आदि ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. अवस्थी द्वारा स्थापित ऊँचाइयों को के.जे. पटेल के नेतृत्व में और विस्तार मिलेगा।

राष्ट्रीय चेयरमैन के पद पर जगदीश प्रसाद अग्रवाल का चयन, छत्तीसगढ़ का गौरव.....

जांजगीर चांपा -अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन (पंजी) के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने अपने पत्र दिनांक 29.07.25 के माध्यम से, जगदीश प्रसाद अग्रवाल बिलहा को, उनकी निष्ठा एवं अनुभव के साथ साथ अग्रवाल समाज के प्रति उनके सच्चे सेवा भाव को देखते हुए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के ÷राष्ट्रीय चेयरमैन - अग्र कार्य योजना÷ के पद पर मनोनीत किया है। साथ ही विश्वास व्यक्त किया है, कि वे पद की गरिमा को बनाए रखेंगे, संस्था के संविधान एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के निर्देशों के पालन सहित संगठन को नई उंचाइयां प्रदान करने में अपना संपूर्ण सहयोग करेंगे। प्रत्युत्तर मे श्री अग्रवाल ने एक पत्र दिनांक 30.07.2025 के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित सभी सहयोगी सदस्यों का सहृदय धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि यह पद उनके लिए केवल सम्मान नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और संगठनात्मक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। वे पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता के साथ संस्था के उद्देश्यों और कार्य योजनाओं को साकार करने हेतु सदैव प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग एवं मार्गदर्शन से हम संस्था सहित सम्पूर्ण अग्र समाज को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने मे अवश्य सफल होंगे।

लूट की गढ़ी फर्जी कहानी पहुंच गए थाने - राशी गबन तो नही कर पाए उल्टा पहुंचा जेल

पुलिस ने निकाली फर्जी दिनदहाड़े 11 लाख 79 हजार आठ सौ रुपये लूट की हवा

जांजगीर चांपा / लूट की फर्जी कहानी गढ़कर रिपोर्ट दर्ज कराने वाले आरोपी की पुलिस ने हवा निकाल दी है और वे लूट की राशी तो हजम नही कर पाया बल्कि उसे उल्टा जेल की रास्ता मिला है। यह कहानी गत दिनांक 1 अगस्त 25 को दीपेश देवांगन निवासी चोरिया

द्वारा थाना बम्हनीडीह में लगभग शाम 5 बजे उपस्थित होकर लूट की रिपोर्ट दर्ज कराने से जुड़ी है। इस मामले में उसने अपने पूर्व से व्यावसायिक परिचित ग्राम करनौद से किरीत सिन्हा नामक व्यक्ति से 11,79,800 रुपए प्राप्त कर यूनियन बैंक चांपा में जमा करने जा रहा था। इसी दौरान बम्हनीडीह के आगे पूछेली, अमोदी गांव के पास पहुंचा था तभी बाइक में सवार तीन लड़कों ने जिसमें से दो ने स्कार्फ और बांधा था और एक ने टोपी पहनी थी उससे लिफ्ट मांगी और उसके नहीं रुकने पर उन तीनों पीछा करके बाइक सामने अडाकर मारपीट करके उसके बैग में लगभग 11,79,800 रु एवं लैपटॉप को लूट कर ग्राम पूछेली के पास अज्ञात तीन व्यक्तियों द्वारा मारपीट कर नकदी रकम और स्वयं का लैपटॉप लूट लिए जाने की बम्हनीडीह पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना के बाद थाना बम्हनीडीह पुलिस द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करते हुए जिले भर में नाकाबंदी, साइबर सेल की सहायता एवं घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। परंतु घटनास्थल से किसी भी प्रकार की लूटपाट के साक्ष्य नहीं मिले, घटना स्थल की बारीकी से निरीक्षण, दीपेश देवांगन के द्वारा घटना की सूचना देने में की गई विलम्ब के साथ साथ बयानों में विरोधाभास होने, संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। पूछताछ के दौरान संदिग्ध व्यवहार के आधार पर जब उससे कड़ाई से पूछताछ की गई तो आरोपी टूट गया और कबूल किया कि उस पर करीब 8 लाख रुपये का कर्ज है, जिसे चुकाने की नीयत से उसने ?11,79, 800 रूपए का गबन कर लूट की झूठी कहानी गढ़ी और पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। प्रकरण की जांच विवेचना दौरान पुलिस को भ्रमित करना पाए जाने से किरीत सिन्हा निवासी करनौद की रिपोर्ट पर थाना बम्हनीडीह में झूठी लूट की मास्टरमाइंड आरोपी दीपेश देवांगन के विरुद्ध अमानत में ख़यानत अपराध क्रमांक 70/2025 धारा 217, 316(2) BNS पुलिस को झूठी सूचना देकर भ्रमित करना के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान दीपेश देवांगन के ग्राम चोरीया स्थित निवास से किरीत सिन्हा से बैंक में जमा करने ली गई संपूर्ण राशि ?11,79,800 रूपए एवं लैपटॉप बरामद किया गया। आरोपी द्वारा बताया गया कि वह वर्ष 2018 से एकाउंटिंग, हिसाब किताब, खरीदी बिक्री एवं हवाला से संबंधित कार्यों में संलिप्त है तथा मेडिकल,कपड़ा दुकान , छड़, सीमेंट, कृषि केंद्र दुकानों से कच्चे -पक्के रूप में धन का लेन-देन करता रहा है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। उक्ताशय कहानी का खुलासा आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस द्वारा पत्रकारों के समक्ष किया वहीं उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक सागर पाठक साइबर सेल प्रभारी, साइबर टीम सउनि विवेक सिंह, आर. सहबाज खान, प्रदीप दुबे, श्रीकांत सिंह रोहित कहरा* थाना बम्हनीडीह से सउनि नीलमणि कुसुम का सराहनीय योगदान रहा।

भाजपा सरकार में गांव-गांव में बह रही विकास की गंगा - राजकुमार साहू

सभापति के प्रयास से घुठिया में लगाया गया नया ट्रांसफार्मर

जांजगीर-चाम्पा। नवागढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत घुठिया के स्कूलपारा में जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति राजकुमार साहू के अथक प्रयास से नया ट्रांसफार्मर लगवाया गया। ग्रामीणों की मांग पर गांव के स्कूलपारा में इलेवन तार सहित नया ट्रांसफार्मर लगवाया गया, जिससे अब ग्रामीणों को लोओलटेज की समस्या व बिजली बंद की समस्याओं से निजात मिलेगा। श्री साहू ने उपस्थित ग्रामीणों को कहा कि जब से केंद्र व राज्य में भाजपा की सरकार बनी हैं, तभी से गांव-गांव में विकास की गंगा बह रही हैं। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं का संचालन भी किया जा रहा हैं। ताकि ग्रामीणों को इस योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। सभापति का गांव के सत्यनारायण पटेल, मनीराम पटेल, चिरौंजी लाल पटेल, राजकु?मार खरसन-सरपंच प्रतिनिधि, माखन लाल पटेल, मया लाल यादव, जय कुमार पटेल, दीलिप कुमार,आनंद राम यादव, पवन कुमार पटेल, रामबिलास पटेल, राजकुमार पटेल ने आभार व्यक्त किया हैं।

9 माह से अपहृत नाबालिक बालिका राजस्थान से बरामद शादी करने का झांसा देकर अनाचार के आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर चांपा /

नव माह से अपहृत नाबालिक बालिका को राजस्थान से बरामद कर लिया गया है जिसमें शादी का झांसा देकर अनाचार के आरोपी को पकड़ लिया गया है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि नाबालिक बालिका को दिनांक 26 अक्टूबर 2024 को सुबह आरोपी द्वारा बहला फुसलाकर भगा ले जाने की सूचना रिपोर्ट पर थाना पामगढ मे अपराध क्रमांक 453/24 धारा 137 (2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा श्री विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में प्रकरण की अपहृत बालिका एवं अज्ञात आरोपी की थाना पामगढ़ पुलिस द्वारा लगातार पतासाजी की जा रही थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर श्री उमेश कुमार कश्यप* के कुशल मार्गदर्शन में मुखबिर सूचना मिला कि अपहृत नाबालिक बालिका को आरोपी भुपेन्द्र कुमार द्वार सुल्तानपुर राजस्थान मे रखा है कि सूचना पर टीम गठीत कर राजस्थान रवाना किया गया जहां से अपहृता को आरोपी के कब्जे से सकुशल बरामद किया गया।

प्रकरण के आरोपी भुपेन्द्र कुमार पटेल को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर बताया कि नाबालिक बालिका को शादी करने का झांसा देकर बहला फुसलाकर भगा ले जाना एवं उसके साथ जबरन अनाचार करना जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार ?किया कर न्यायिक रिमांड पर से जेल भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक मनोहर लाल सिन्हा थाना प्रभारी पामगढ़, स.उ.नि. रामदुलार साहू, म.प्र.आर. मंजू सिंह, आर. महेन्द्र राज, म.आर. मोनिका जोगी एवं थाना पामगढ़ स्टाफयोगदान रहा।

105 वीं पुण्यतिथि पर याद किया तिलक को

कोरबा, स्वाधीनता संग्राम सेनानी और अपने जमाने के प्रमुख पत्रकार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को उनकी 105वीं पुण्यतिथि पर कोरबा में याद किया गया। 1 अगस्त 1920 को तिलक ने जिंदगी की अंतिम सांस ली थी।

कोरबा में ब्रिज क्लब का नामकरण तिलक के नाम पर है। नगरी निकाय के द्वारा बीते वर्षों में इस भवन की व्यवस्था कराई गई, जहां पर क्लब की गतिविधियां संचालित हो रही हैं। बाल गंगाधर तिलक के राष्ट्रीय सरोकारों को रेखांकित करने के लिए प्लीज क्लब कोरबा की ओर से उनकी पुण्यतिथि पर इस तरह का आयोजन शुक्रवार को किया गया। संस्था के सदस्यों ने तिलक की प्रतिमापन श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उन्हें स्मरण किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ सदस्यों ने पत्रकारिता और स्वाधीनता आंदोलन में तिलक की भूमिका को लेकर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में अधिकांश सदस्यों ने उपस्थित तय की।

आचार्य प्रदीप मिश्रा जी के शिव महापुराण कथा में सम्मिलित हुए राजेश्री महन्त

जांजगीर चांपा / महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज आचार्य प्रदीप मिश्रा जी की शिव महापुराण की कथा जयंती स्टेडियम भिलाई में कथा श्रवण करने के लिए उपस्थित हुए। उन्होंने ब्यास पीठ की पूजा अर्चना कर आचार्य जी का शाल, श्रीफल से सम्मान किया। आचार्य जी ने भी उन्हें पुष्पमाला पहनकर अभिवादन किया। उल्लेखनीय है कि आचार्य मिश्रा जी शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ की कथा भिलाई नगर में श्रोताओं को सुना रहे हैं। यहां जयंती स्टेडियम में उनका तीसरी बार आगमन हुआ है। उन्होंने व्यास पीठ से राजेश्री महन्त जी का स्वागत किया और कहा कि -परम पूज्य महाराज जी छत्तीसगढ़ में जहां कहीं भी हमारी शिव महापुराण की कथा होती है उसमें एक- न -एक दिन अवश्य पधारते हैं। महाराज जी आरती में भी सम्मिलित हुए। आचार्य जी ने उन्हें कथा की समाप्ति के पश्चात बेलपत्र प्रदान किया। इस अवसर पर राजेश्री महन्त जी के साथ सुरेश शर्मा, निर्मल दास वैष्णव, राजीव त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित थे।

रक्षाबंधन मनाया ब्रह्माकुमारीज ने

कोरबा,लोकशक्ति। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सेवाकेंद्र जमनीपाली के डायमंड जुबली भवन में रक्षाबंधन का कार्यक्रम मनाया गया। सीआईएसएफ के कमांडेंट राजीव कुलहरी मुख्य अतिथि व रुक्मणि बिंदु उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर पुष्पगुच्छ भेट कर किया गया। इस अवसर पर बिन्दु दीदी ने कहा की इस रक्षा बंधन पर हम सभी को यह संकल्प करना चाहिए की हम सारी बुराईयों से अपनी आत्मा की रक्षा करेंगे, राखी केवल भाई-बहन के रिश्ते का प्रतिक नहीं बल्कि यह आत्मा और परमात्मा के बीच के पवित्र बंधन का स्मरण है।राजीव ने कहा की ब्रह्मकुमारिज संस्था ने रक्षा बंधन को अध्यात्मिक स्वरुप देकर एक नयी दिशा दी है और यह राखी केवल रीति नहीं, बल्कि एक अध्यात्मिक जाग्रति का सन्देश है । बी.के रुक्मणी दीदी जी ने कहा की अगर हमे राम राज्य लाना है तोह पहले हमे अपने जीवन में पवित्रता को धारण करना होगा, उन्होंने कहा की यह पर्व हमे आत्म संयम, आत्म सुरक्षा और ईश्वरीय संरक्षण का भाव प्रदान करता है। आज के समय में जब बाह्य सुरक्षा के साधन बढ़ते जा रहे है, हमे आंतरिक सुरक्षा के लिए भी सजग होना आवश्यक है।अंत में अतिथियों को रक्षा सूत्र बांधा गया।

तिल्दा के स्कूलों में 500 पौधों का रोपण : हरियर पाठशाला को मिली नई ऊर्जा

जिला प्रशासन का पर्यावरण संरक्षण की ओर कदमः घिवरा संकुल के 11 स्कूलों में पौधे रोपे गए

रायपुर, लोकशक्ति

रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड अंतर्गत घिवरा संकुल में आज दिनांक 1 अगस्त 2025 को राज्य शासन की पर्यावरण संरक्षण संबंधी दो महत्वाकांक्षी योजनाओं ÷एक पेड़ माँ के नाम 2.0÷ एवं ÷हरियर पाठशाला÷ के तहत वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार स्कूलों में हरियाली तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने संकुल स्तरीय आयोजन के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक तथा हाई स्कूलों सहित कुल 11 विद्यालयों में लगभग 500 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया।

इस आयोजन को जनभागीदारी के पर्व के रूप में रूपांतरित करते हुए छात्रों के अभिभावकों, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए पूरे उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ पौधारोपण किया।

शासकीय हाई स्कूल घिवरा परिसर में ही 400 से अधिक पौधों का रोपण किया गया, जिनमें छायादार व फ्लदार पौधे प्रमुख रूप से शामिल थे। पौधों की देखभाल एवं संरक्षण हेतु विद्यालयों की शाला प्रबंधन एवं विकास समितियों (SMDC), ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और छात्रों ने सामूहिक संकल्प लिया। सभी उपस्थित नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, शाला प्रबंधन समितियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने पर्यावरण सुरक्षा में सहभागी बनते हुए पौधों को वृक्ष के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया। संकुल प्रभारी प्राचार्य दीपक गुप्ता एवं संकुल समन्वयक कैलाश बघेल ने संकुल स्तरीय इस वृक्षारोपण अभियान की सफलता में सहयोग देने वाले सभी प्रतिनिधियों, शाला समितियों, संस्था प्रमुखों, शिक्षकों एवं छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के नेतृत्व में जिले में हरियर पाठशाला के तहत पौधरोपण किया जा रहा है। यह आयोजन ने न केवल विद्यालय परिसरों को हरियाली से समृद्ध किया, बल्कि छात्रों एवं अभिभावकों में पर्यावरणीय चेतना को भी जाग्रत किया। ÷एक पेड़ लगाना है, धरती को स्वर्ग बनाना है÷ के प्रेरक संदेश के साथ यह कार्यक्रम तिल्दा विकासखंड के लिए एक अनुकरणीय पहल बन गया।

खास खबर

तेज रफ्तार वाहन ने 16 गायों को कुचला, 15 की मौके पर मौत, गौसेवकों ने किया चक्काजाम

बिलासपुर,। बिलासपुर जिले के रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर एक बार फिर दर्दनाक हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया। लिमतरा और सरगांव के बीच एक तेज रफ्तार वाहन ने सड़क पार कर रहे 16 गौवंशों को कुचल दिया, जिसमें 15 गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। यह मंजर देख कर स्थानीय लोगों और गौसेवकों में भारी आक्रोश फैल गया। नाराज गौसेवकों ने मृत गायों को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया और प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

यह हादसा जिले में बीते 20 दिनों में गौवंशों की मौत की तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले रतनपुर, चकरभाठा, सिलपहरी-कराड़ और ढेका मार्ग पर हुए हादसों में 50 से अधिक गायों की जान जा चुकी है। लगातार हो रही इन घटनाओं से स्पष्ट है कि सड़कों पर मवेशियों की मौजूदगी एक गंभीर समस्या बन चुकी है। गौर करने वाली बात यह है कि एक दिन पहले ही जिला प्रशासन ने धारा 163 लागू कर मवेशियों को खुला छोड़ने वाले पशुपालकों पर जुर्माना और सजा का प्रावधान किया है। इसके बावजूद इस तरह की दुर्घटनाओं का जारी रहना प्रशासनिक सख्ती और व्यवस्था की विफलता पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों और संगठनों की मांग है कि हाईवे पर सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, जैसे कि मवेशियों के लिए विशेष बाड़बंदी, अवरोधक दीवारें और नियमित निगरानी की व्यवस्था। साथ ही, आवारा पशुओं को संभालने के लिए नगरपालिका और पंचायत स्तर पर जवाबदेही तय की जाए, ताकि इस तरह की हृदयविदारक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना अन्तर्गत कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए 5 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

कोरबा छ0ग0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों के बेहतर भविष्य के उद्देश्य से जिले में संचालित श्रेष्ठ निजी आवासीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाया जाकर गुणवत्तायुक्त निःशुल्क शिक्षा के माध्यम से विकास के समान अवसर प्रदान करने हेतु अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना संचालित है।

कार्यालय सहायक श्रमायुक्त से प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु निर्माण श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6 वीं में निजी आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु आवेदन 05 अगस्त 2025 तक मंगाये गये हैं। इस हेतु जिला कार्यालय एवं जिले के जनपद कार्यालयों में संचालित श्रम संसाधन केन्द्र तथा विभाग द्वारा आयोजित शिविर के माध्यम से निर्माण श्रमिक आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह का हुआ

कोरबा और पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉकों की उल्लेखनीय उपलब्धि, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण व कृषि क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन

कोरबा । नीति आयोग के तत्वावधान में संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन रहें।

संपूर्णता अभियान आकांक्षी जिलों एवं ब्लॉकों के लिए एक ऐतिहासिक पहल रही, जिसका उद्देश्य प्रमुख 6 प्रदर्शन संकेतकों में पूर्णता प्राप्त करना था। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं ब्लॉक अधिकारियों, स्वयं सहायता समूहों, फ्रंटलाइन वर्कर्स तथा विभिन्न विभागीय टीमों के समन्वित प्रयास से कोरबा ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम के 6 में से 5 संकेतकों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त की। कोरबा आकांक्षी ब्लॉक 6 में से 5 संकेतकों में शत प्रतिशत उपलब्धि वहीं पोड़ी उपरोड़ा आकांक्षी ब्लॉक 6 में से 4 संकेतकों में शत प्रतिशत उपलब्धि रही। इस सफलता पर कोरबा ब्लॉक को सिल्वर मेडल एवं पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक को कांस्य पदक प्रदान किया गया।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने अपने संबोधन में कहा कोरबा जिला, कोरबा एवं पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉकों के प्रयासों से आकांक्षी जिला श्रेणी में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह उपलब्धि विभागीय टीमों के परिश्रम और सामूहिक समर्पण का परिणाम है। हमें सतत प्रयास कर कोरबा को आकांक्षी जिला श्रेणी से बाहर लाकर विकसित जिलों में शामिल करना है। कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने कहा कि यह उपलब्धि जिले के लिए गर्व का क्षण है। एक समय आकांक्षी जिलों की सूची में कोरबा 73वें स्थान पर था, आज यह रजत पदक प्राप्त कर रहा है। यह सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के समन्वित प्रयास का प्रतिफल है। विधायक पाली तानाखर श्री तुलेश्वर हीरासिंह मरकाम ने समारोह में सम्मानित हुए सभी अधिकारी कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी को आगे भी कोरबा जिले को आकांक्षी जिले की सूची से बाहर लाने के लिए विशेष प्रयास करने हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, कृषि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सम्मानित किया गया। आकांक्षी ब्लॉक कोरबा एवं पोड़ी उपरोड़ा के तात्कालीन सीईओ को क्रमशः सिल्वर एवं कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह में महापौर नगर निगम कोरबा श्रीमती संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधन दिया एवं सम्मानित अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी।

ई-आफिस के अन्तर्गत विभिन्न विभागों को दी जा रही प्रशिक्षण

कलेक्टर द्वारा विभागों के लिए शेड्यूल जारी

कोरबा राज्य शासन के मंशा के अनुरूप शासकीय विभागों को ई-आफिस के माध्यम से ऑन लाईन कार्य करने के निर्देश दिए गये हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जिला कार्यालयों के समस्त शाखाओं को निर्देशित किया गया है कि वे एनआईसी के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर ई-आफिस में कार्य करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार 21 जुलाई से 10 सितंबर तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। एनआईसी अधिकारी श्री हेमंत जायसवाल द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। शेड्यूल अनुसार 01 अगस्त से 04 अगस्त तक स्टेनो टू अपर कलेक्टर कोरबा एवं कटघोरा, 05 एवं 06 अगस्त को वरिष्ठ लिपिक, परीक्षा, पुरातत्व, 07 एवं 08 अगस्त को लायसेंस शाखा, विभागीय जांच एवं भू-अर्जन, 11 एवं 12 अगस्त को नजूल एवं भू-बंटन, 13 एवं 14 अगस्त को न्यायालय अपर कलेक्टर कोरबा एवं कटघोरा, 18 एवं 19 अगस्त को सांख्य लिपिक एवं शिकायत शाखा, 20 एवं 21 अगस्त को विशेष कक्ष एवं प्रपत्र शाखा, 22 से 25 अगस्त तक सूचना का अधिकार एवं व्यवहारवाद शाखा, 28 एवं 29 अगस्त को सहायक अधीक्षक, 01 एवं 02 सितंबर को आपदा शाखा, सहायक अधीक्षक, 03 एवं 04 सितंबर को सिटी मजिस्ट्रेट एवं रेंट कंट्रोल, 05 से 08 सितंबर तक राजस्व आंकिक एवं राजस्व मोहर्रिर, 09 एवं 10 सितंबर को आवक एवं जावक शाखा, लोक सेवा गारंटी शाखा को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

अशोक वाटिका की सुधरेगी व्यवस्थाएं, सुविधाएं होंगी अपडेट

० आयुक्त आशुतोष पाण्डेय पहुंचे अशोक वाटिका, सम्पूर्ण वाटिका का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त किए जाने व आवश्यक मरम्मत व सुधार कार्य करने हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

कोरबा,संवाददाता

सी.एस.ई.सी. चैक से स्टेडियम की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित शहर के सबसे बड़े उद्यान अशोक वाटिका की व्यवस्थाएं सुधारी जाएंगी एवं सुविधाओं को अपडेट किया जाएगा ताकि अशोक वाटिका उद्यान पहुंचने वाले आमनागरिकों को सुविधाओं का सही लाभ प्राप्त हो सके। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने सहायक कलेक्टर श्री क्षितिज गुरूभेले व निगम के अधिकारियों की टीम के साथ सम्पूर्ण अशोक वाटिका का निरीक्षण किया तथा वहॉ की व्यवस्थाओं को सुधारने एवं सुविधाओं को अपडेट किए जाने हेतु तत्काल आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

यहॉ उल्लेखनीय है कि अशोक वाटिका कोरबा शहर का सबसे बड़ा उद्यान है, जो लगभग 50 एकड़ के विस्तृत क्षेत्रफल में फैला हुआ है, अशोक वाटिका में भ्रमण, मनोरंजन, योगा प्राणायाम, कसरत व्यायाम की सुविधा सहित अन्य विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, उद्यान के विस्तृत पाथवे में रनिंग करने, पैदल चलने, योगा प्राणायाम एवं कसरत व्यायाम आदि करने सहित भ्रमण मनोरंजन हेतु प्रतिदिन लगभग 500 से ज्यादा नागरिक वहॉ पर पहुंचते हैं तथा सुविधाओं का लाभ उठाते हैं। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय अपने नियमित प्रातः भ्रमण के दौरान अशोक वाटिका पहुंचे, उन्होने सम्पूर्ण वाटिका का पैदल भ्रमण करते हुए वहॉ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आयुक्त श्री पाण्डेय ने वाटिका में स्थित योगा प्लेटफार्म का मरम्मत व सुधार कार्य कर, उसे हटमेन्ट स्वरूप में निर्मित किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए, बरसात की वजह से उद्यान के पाथवे में काई जमा होने से फिसलन की स्थिति न बने इस हेतु सम्पूर्ण पाथवे की ब्लीचिंग व साफ सफाई के निर्देश भी उन्होने अधिकारियों को दिए, पाथवे की टाईल्स कुछ स्थानों पर नीचे धस गई है, जिसे देखते हुए आयुक्त श्री पाण्डेय ने पाथवे में आवश्यक मरम्मत व सुधार कार्य कराने, उद्यान में स्थित टायलेट की नियमित साफ-सफाई व टायलेट में पानी की सतत आपूर्ति बनाएं रखने, उद्यान में रात्रि के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने एवं उद्यान की अन्य व्यवस्थाओं को पूर्ण रूप से दुरूस्त किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

कर्मशाला का किया निरीक्षण - भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय निगम की कर्मशाला पहुंचे तथा वहॉ का सघन रूप से निरीक्षण किया, उन्होने कर्मशाला में रखे गए विभिन्न वाहन यथा कम्पेक्ट मशीन, जे.सी.बी., डम्पर प्रेशर, पानी टैंकर, ट्रक माउंटेड, हाईड्रोलिक वाहन, ट्रक टेऊक्टर, काऊकेचर, टाटा ऐस हाईड्रोलिक टीपर, राईडिंग जेटिंग मशीन सहित अन्य विभिन्न वाहनों व मशीनरियों का सघन रूप से निरीक्षण किया एवं कर्मशाला में रखे वाहन पंजी का अवलोकन कर वाहनों के कार्य पर रवाना होने, वाहनों के उपयोग एवं उनकी वापसी आदि की जानकारी ली।

श्यामकली डहरिया को उनकी सेवानिवृत्त पर दी गई विदाई

कोरबा नगर पालिक निगम कोरबा के जन्म-मृत्यु पंजीयन विभाग में कार्यरत श्रीमती श्यामकली डहरिया को निगम के रजिस्टार व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी की अगुवाई में निगम के जन्म-मृत्यु पंजीयन विभाग व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारियों ने उनकी सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी तथा श्रीमती डहरिया की स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी। निगम के जन्म-मृत्यु पंजीयन विभाग में कार्यरत श्रीमती श्यामकली डहरिया 28 वर्षो तक निगम में अपनी सेवाएं देने के पश्चात 31 जुलाई को 2025 को सेवा से निवृत्त हो गई, उनके सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान निगम के रजिस्टार व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी की अगुवाई में संबंधित शाखा के अधिकारी कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी तथा श्रीमती डहरिया द्वारा निगम को दी गई उत्कृष्ट सेवाओं को याद किया। इस मौके पर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने कहा कि श्रीमती डहरिया ने पूरी निष्ठा एवं लगन के साथ निगम में अपनी सेवाएं दी, वे जन्म-मृत्यु पंजीयन विभाग में कार्यरत थी, निगम के जन्म-मृत्यु का रजिस्टार होने के नाते उन्होने मेरे अधीनस्थ कार्य किया, मैं श्रीमती डहरिया की निष्ठा एवं कार्य के प्रति लगन से भलीभांति परिचित हूँ, कार्य के प्रति उनकी निष्ठा के बदौलत ही उन्हें जनवरी माह में निगम का '' फेस आफद मंथ '' भी चुना गया था, जो उनकी एक बड़ी उपलब्धि रही है। इस मौके पर वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक श्री सुनील वर्मा सहित स्वच्छता विभाग एवं जन्म-मृत्यु पंजीयन विभाग के सभी कर्मचारियों ने श्रीमती डहरिया को पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया, उनके स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की कामना की, साथ ही स्मृतिचिन्ह भेंट किए।

अब एकजुट होकर बड़ा आंदोलन करने की तैयारी

फर्जी नियुक्तियों को निरस्त कर वास्तविक पात्रों को रोजगार दिया जाए: भू-विस्थापित संगठन

कोरबा

। कुसमुंडा खदान क्षेत्र की 1978 से 2004 के बीच अधिग्रहित की गई जमीन के भू-विस्थापित अब अपने हक की लड़ाई निर्णायक मोड़ पर ले जा चुके हैं। 1000 से अधिक प्रभावित परिवारों को न तो अब तक रोजगार मिला है और न ही पुनर्वास की व्यवस्था की गई है। एसईसीएल प्रबंधन द्वारा बार-बार वादा करने के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई, जिससे विस्थापितों में आक्रोश है। प्रभावितों ने कहा कि वे अंतिम सांस तक अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करेंगे और दमन की किसी भी कार्यवाही से डरने वाले नहीं हैं। पूर्व में भी उन्होंने लाठीचार्ज और जेल का सामना किया है, और अब एकजुट होकर बड़ा आंदोलन करने की तैयारी में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसईसीएल प्रबंधन आंदोलन को दबाने के लिए दमनात्मक नीति अपना रहा है। कई आंदोलनकारियों पर झूठे मुकदमे दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया है। हाल ही में कुसमुंडा में एक महिला आंदोलनकारी की गिरफ्तारी ने आंदोलन को और उग्र कर दिया है।

भू-विस्थापित संगठन ने मांग की है कि फर्जी नियुक्तियों को निरस्त कर वास्तविक पात्रों को रोजगार दिया जाए और सभी विस्थापितों को वैकल्पिक रोजगार व पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रहेगा और एसईसीएल को अपने सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए बाध्य किया जाएगा।

गुजराती महिला मंडल ने मनाया सावन उत्सव, निधि दक्षिणी बनीं सावन क्वीन

लोकशक्ति

कोरबा। श्री गुजराती महिला मंडल ने सावन उत्सव को बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया। रंगारंग कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक उल्लास के साथ भाग लिया और विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया। उत्सव का आरंभ श्री गुजराती महिला मंडल की अध्यक्ष बिंदु मकवाना के स्वागत अभिभाषण से हुआ। इसके बाद, सह-सचिव भाविका राठौर ने गणेश वंदना की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसने कार्यक्रम में एक पवित्र माहौल स्थापित किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी देखने को मिलीं, जिसमें वंदना शाह का एकल नृत्य विशेष रूप से सराहा गया। सावन उत्सव के अवसर पर कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिसमें झूले आकर्षण का केंद्र रहे। महिलाओं ने झूलों का आनंद लेते हुए सावन के पारंपरिक महत्व को जीवंत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ, प्रतिभागियों के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसने उत्सव में चार चांद लगा दिए। सावन उत्सव का मुख्य आकर्षण सावन क्वीन प्रतियोगिता रही, जिसमें निधि दक्षिणी को सावन क्वीन चुना गया। यह घोषणा कार्यक्रम की एक प्रमुख विशेषता थी और सभी उपस्थित लोगों ने उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों और मेहमानों के लिए स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिन के अंत में, सभी प्रतिभागियों को उनके योगदान और सहभागिता के लिए पुरस्कार वितरित किए गए, जिससे उनके उत्साह में और वृद्धि हुई। सफल आयोजन को संभव बनाने में उपाध्यक्ष निशा रावल, सचिव सोनल शाह, सोनिया भट्ट, प्रीति दक्षिणी, मीनल दक्षिणी, संगीता राठौर, सपना मकवाना, दीपिका टांक, हिना संघवी, शोभा पारेख, फाल्गुनी पारेख, दीप्ति शर्मा, दीपाली शर्मा, सीमा चैहान, संगीता चैहान, हंसा वाघेला, और भविता वाघेला सहित महिला मंडल की कई सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अंत में अध्यक्ष बिंदु मकवाना ने सभी उपस्थित लोगों और योगदानकर्ताओं का आभार व्यक्त किया, जिससे यह सावन उत्सव एक यादगार और सफल कार्यक्रम बन गया।

उप पंजीयक को नोटिस, कलेक्टर की सख्त कार्रवाई

रलिया में एसईसीएल अधिग्रहित जमीन की अवैध रजिस्ट्री:

कोरबा कटघोरा विकासखंड के अर्जित ग्राम रलिया में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा अधिग्रहित जमीन के क्रय-विक्रय पर शासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद अवैध रजिस्ट्री का मामला सामने आया है। इस गंभीर उल्लंघन पर कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत ने सख्त रुख अपनाते हुए उप पंजीयक कोरबा, श्रीमती पावरेम मिंज को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। यह मामला छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के उल्लंघन से जुड़ा है और इसमें हाईकोर्ट के आदेश के गलत अनुवाद का भी आरोप है।

मामले का विवरण

ग्राम रलिया, जो एसईसीएल द्वारा अधिग्रहित क्षेत्र के अंतर्गत आता है, में भूमि की खरीद-बिक्री, बटांकन, छोटे टुकड़ों में अंतरण और उपयोग में परिवर्तन पर शासन द्वारा सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। भू-अर्जन की अधिसूचना जारी होने के बाद इस तरह की गतिविधियों पर पूर्ण रोक है। इसके

बावजूद, रलिया निवासी सहसराम पिता दुलार साय ने अपनी स्वामित्व वाली जमीन को बेचने के लिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट, बिलासपुर में याचिका (डब्ल्यूपीसी नंबर 764ऽ2025) दायर की थी।

हाईकोर्ट ने 4 जुलाई 2025 को अपने आदेश में उप पंजीयक कोरबा को निर्देश दिया था कि यदि कोई कानूनी बाधा नहीं है, तो याचिकाकर्ता और प्रतिवादी के बीच निष्पादित बिक्री विलेख को कानून के अनुसार पंजीकृत करने पर विचार किया जाए। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से विधि-सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। हालांकि, उप पंजीयक कोरबा ने इस आदेश का गलत अनुवाद करते हुए शासन के निर्देशों का उल्लंघन किया और अर्जित भूमि की रजिस्ट्री कर दी।

अवैध रजिस्ट्री का विवरण

उप पंजीयक कोरबा द्वारा तहसील दीपका के अर्जित ग्राम रलिया में सहसराम पिता दुलार साय की स्वामित्व वाली भूमि, जो पटवारी हल्का नंबर 51 के अंतर्गत खसरा नंबर 149ध्2 (0.275 हेक्टेयर), खसरा नंबर 168 (0.085 हेक्टेयर), और खसरा नंबर 192ध्2 (0.085 हेक्टेयर) में कुल 0.445 हेक्टेयर है, को नाबालिक विशाल सिंह (बली पालक पिता नवल कुमार मरावी) के नाम पर पंजीकृत किया गया। यह रजिस्ट्री दस्तावेज संख्या ब्ळ्-2025-26-160-1-607 के तहत 11 जुलाई 2025 को की गई।

इस रजिस्ट्री को शासन के स्पष्ट निर्देशों और भू-अर्जन नियमों के खिलाफ माना जा रहा है, क्योंकि अर्जित भूमि की खरीद-बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। उप पंजीयक का यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के प्रावधानों का उल्लंघन माना गया है।

कलेक्टर की कार्रवाई

कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उप पंजीयक श्रीमती पावरेम मिंज को कारण बताओ नोटिस जारी किया। नोटिस में हाईकोर्ट के आदेश के गलत अनुवाद और शासकीय निर्देशों के उल्लंघन के आधार पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। उप पंजीयक को 24 घंटे के भीतर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। यदि जवाब संतोषजनक नहीं हुआ या समय पर प्रस्तुत नहीं किया गया, तो एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई निलंबन से लेकर अन्य अनुशासनात्मक कदमों तक हो सकती है।

कानूनी और प्रशासनिक पृष्ठभूमि

छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 165 के तहत, विशेष रूप से पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों में, आदिवासी भू-स्वामियों की जमीन की खरीद-बिक्री के लिए जिला कलेक्टर की अनुमति अनिवार्य है। रलिया जैसे अर्जित क्षेत्रों में यह नियम और भी सख्त है, क्योंकि यह भूमि एसईसीएल जैसे सार्वजनिक उपक्रमों के लिए अधिग्रहित की गई है। इसके बावजूद, इस मामले में न केवल शासकीय निर्देशों का उल्लंघन हुआ, बल्कि हाईकोर्ट के आदेश की गलत व्याख्या कर अवैध रजिस्ट्री को अंजाम दिया गया।

आदिवासी जमीनों पर अवैध कब्जे का इतिहास

रलिया और कोरबा जैसे क्षेत्रों में आदिवासी जमीनों पर अवैध कब्जे और फर्जी रजिस्ट्री के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। कॉरपोरेट घरानों और प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा आदिवासी भूमियों पर जबरन कब्जा करने की शिकायतें लंबे समय से चली आ रही हैं। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कई बार आदिवासी जमीनों के संरक्षण के लिए सख्त आदेश जारी किए हैं, लेकिन स्थानीय प्रशासन और कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से इन आदेशों का उल्लंघन होता रहा है। इस मामले में भी हाईकोर्ट के आदेश की गलत व्याख्या एक गंभीर प्रशासनिक चूक को दर्शाती है।

प्रभाव और संभावित परिणाम

इस अवैध रजिस्ट्री के कई दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं: आदिवासी हितों पर खतरा: रलिया जैसे अर्जित क्षेत्रों में आदिवासी भू-स्वामियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। यह मामला आदिवासी समुदाय के लिए एक बड़ा झटका है।

साहू संघ चुनाव पर हाईकोर्ट की रोक, सहायक रजिस्ट्रार के आदेश को चुनौती

बिलासपुर, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश साहू संघ के आगामी चुनाव पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह फैसला न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की एकल पीठ ने सुनाया है। कोर्ट ने 14 जुलाई 2025 को सहायक रजिस्ट्रार द्वारा दिए गए आदेश के क्रियान्वयन और प्रभाव पर फिलहाल रोक लगाई है। इस मामले की अगली सुनवाई 5 अगस्त को तय की गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ ने 7 जनवरी 2025 को संघ के चुनाव कराने और बायलॉज में संशोधन संबंधी प्रस्ताव पारित किया था। इसके तहत 30 अप्रैल को चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया, जिसमें तीन माह के भीतर चार चरणों में चुनाव संपन्न कराने की योजना बनाई गई थी। इसी दौरान किसी सदस्य ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर सहायक रजिस्ट्रार को शिकायत भेजी। शिकायत के आधार पर रजिस्ट्रार कार्यालय ने एक जांच समिति गठित की और 35 दिनों के भीतर चुनाव सम्पन्न कराने का निर्देश जारी कर दिया। यह आदेश सहायक रजिस्ट्रार द्वारा पारित किया गया था। इस आदेश को प्रदेश साहू संघ ने अधिवक्ता विवेक वर्मा के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिका में कहा गया कि सहायक रजिस्ट्रार का आदेश उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है और इस मामले में रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं सोसाइटीज की ओर से न तो जांच के निर्देश दिए गए थे, न ही किसी समिति के गठन की अनुमति दी गई थी।

महिला से ऑनलाइन वर्क फ्रॉम होम के नाम पर 5.20 लाख की ठगी

रायपुर । राजधानी रायपुर में कलिंगा यूनिवर्सिटी में डिप्टी मैनेजर (कैरियर एंड कॉर्पोरेट रिसोर्स सेंटर) के पद पर कार्यरत जयश्री वर्मा से साइबर ठगों ने वर्क फ्रॉम होम के झांसे में लेकर करीब 5.20 लाख रुपये की ठगी कर ली। इस मामले में उन्होंने खमतराई थाने में शिकायत दर्ज कराई है, साथ ही साइबर क्राइम पोर्टल पर भी मामला रिपोर्ट किया है।जयश्री ने पुलिस को बताया कि 4 अप्रैल 2025 को इंस्टाग्राम पर एक वर्क फ्रॉम होम का विज्ञापन देखने के बाद उन्होंने संपर्क किया। इसके बाद उन्हें टेलीग्राम पर 'काव्या पूजा' नाम के अकाउंट से जोड़ा गया। शुरुआत में छोटे टास्क देकर विश्वास जीतने की कोशिश की गई – जैसे कि 180 रुपये वेलकम बोनस और 17 कार्य पूरे करने पर 200 रुपये की पेमेंट दी गई। इसके बाद जयश्री को क्रूड ऑयल ग्रुप में शामिल किया गया, जहां क्रमिक रूप से अधिक निवेश करने का दबाव डाला गया। उन्होंने अलग-अलग बैंक खातों – जैसे मिजोरम रूरल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई – में 800 रुपये से लेकर 1.45 लाख रुपये तक की राशि ट्रांसफर की। खाताधारकों के नाम अदोर, पटोर मोनी, राकेश, डाप्लू और सुरेश दारा बताए गए हैं। ठगों ने निवेश पर 30त्न लाभ का लालच दिया, लेकिन बाद में खाते को फ्रीज होने का बहाना बनाकर और पैसों की मांग करने लगे। 7 और 8 अप्रैल को जयश्री ने 40 हजार, 80 हजार और 1.45 लाख रुपये और ट्रांसफर किए, लेकिन बदले में केवल 10 हजार रुपये ही वापस मिले। अंततः जब ठगों ने खाते अनलॉक कराने के लिए और पैसे की मांग की, तो जयश्री को धोखाधड़ी का एहसास हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध धर्मांतरण गैंग को बचाने से बाज आए क्रिश्चियन प्रेमी नेता – जबीता मंडावी

आदिवासी नेत्री जबीता मंडावी का बड़ा प्रहार

जगदलपुर । आदिवासी नेत्री एवं भाजपा की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जबीता मंडावी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में जनजातीय समुदाय के अवैध धर्मांतरण के एक और मामला सामने मेआने के बाद से ही सक्रिय कांग्रेसी क्रिश्चियन इकोसिस्टम जिस प्रकार मानव तस्करी में लिप्त दो ननों और उनके एक सहयोगी को बचाने और उन्हें कानूनी चंगुल से छुड़ाने में सक्रिय हो गए हैं, ये बेहद चिंतनीय व निंदनीय है।

आदिवासी समाज की उच्च शिक्षित भाजपा की प्रखर आदिवासी नेत्री जबीता मंडावी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के नारायणपुर के 3 आदिवासी बालिकाओं के साथ 2 ननों को संदेहास्पद स्थिति में पाया गया था। दुर्ग रेलवे स्टेशन में जीआरपी द्वारा 2 ननों व एक व्यक्ति को मानव तस्करी के साथ अवैध धर्मांतरण के आरोप में पकड़ा गया है। छत्तीसगढ़ में हर जिले में ऐसी घटनाएं देखी जा रही हैं। सेवा की आड़ में और रोजगार दिलाने के नाम पर भोले भाले आदिवासियों को बहला फुसला कर धर्मांतरण का खेल खेला जा रहा है। आदिवासी भाई को दूसरे आदिवासी भाई से लड़वाने का प्रयत्न किया जा रहा है। भविष्य में ऐसी घटनाओं को नहीं रोका गया तो पूर्ण आदिवासी एवं सनातन समाज इनके खिलाफ बड़ा आंदोलन कर इन्हें बस्तर ही नहीं अपितु पूर्ण छत्तीसगढ़ से बाहर का रास्ता दिखाएगा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर सूरजपुर जिले को विकास कार्यों की सौगात

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में आधारभूत संरचना के विकास को नया आयाम मिलने जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के सतत् प्रयासों से लोक निर्माण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल 26 करोड़ 03 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से जिले में महत्वपूर्ण सड़कों और पुलों का निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

प्रमुख स्वीकृत कार्यों में सूरजपुर जिले के सिलपल्ली एन.एच. 43 से महेशपुर-लटोरी रोड तक 5.80 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य शामिल है, जिसकी लागत 1269.90 लाख रूपये है। इसी प्रकार भवरखोल से गंगापुर-कुम्पी तक 5.10 किलोमीटर लंबाई के पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य को स्वीकृति दी गई है जिसकी लागत 729.51 लाख रूपए और विकासखंड ओडगी के मुख्य मार्ग चोंगा से भोडवानीपारा-मौहारीपारा तक कुल 4.20 किलोमीटर लंबाई के पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य के लिए 604.03 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन कार्यों के स्वीकृत होने पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से सूरजपुर जिले के ग्रामीण अंचलों में आवागमन सुगम होगा और स्थानीय लोगों को यातायात की बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही, व्यापार और कृषि से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास के हर वादे को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। इन परियोजनाओं से जुड़े निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किए जाएंगे, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिलेगी।

भाजपा संगठन की बैठक में शामिल होने दिल्ली रवाना हुए प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, युवा मोर्चा अध्यक्ष पर कार्रवाई के संकेत

रायपुर, । छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और संगठन महामंत्री पवन साय शुक्रवार को दिल्ली रवाना हो गए। वे वहां पार्टी संगठन की एक अहम बैठक में हिस्सा लेंगे। रवाना होने से पहले मीडिया से बातचीत में किरण सिंह देव ने संकेत दिया कि जल्द ही राज्य में भाजपा संगठन का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा, दिल्ली में संगठन से जुड़ी बड़ी बैठक है, जिसमें हम भाग लेने जा रहे हैं। जल्द ही प्रदेश में संगठन का पुनर्गठन होगा और इसमें कई नए चेहरों को जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसी बीच, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत को पार्टी की ओर से जारी कारण बताओ नोटिस को लेकर भी उन्होंने बड़ा बयान दिया। उन्होंने बताया कि अभी तक रवि भगत की ओर से नोटिस का कोई जवाब नहीं आया है। यदि तय समय में जवाब नहीं दिया गया, तो उनकी प्राथमिक सदस्यता रद्द की जा सकती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बना छत्तीसगढ़ का पहला विशेष आवास

नक्सल पीड़ित परिवार के आशियाने का सपना हुआ साकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू की गई नक्सलवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति 2025 के सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर केंद्र सरकार से प्राप्त 15,000 प्रधानमंत्री आवासों की विशेष स्वीकृति के अंतर्गत सुकमा जिले के ग्राम ओईरास, ग्राम पंचायत गादीरास की एक नक्सल पीड़ित परिवार की मुखिया श्रीमती सोडी हुंगी पत्नी स्वर्गीय श्री मासा सोडी को पक्का मकान मिल गया है। यह राज्य में नक्सल पीड़ित परिवारों एवं आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए संचालित विशेष परियोजना के अंतर्गत तैयार होने वाला पहला मकान है, जो न केवल सरकार की संवेदनशीलता का प्रतीक है, बल्कि पीड़ित परिवार के पुनर्वास की दिशा में मील का पत्थर भी है।

श्रीमती सोडी हुंगी, वर्ष 2005 में नक्सलियों के हिंसा की शिकार हुईं, जब उनके पति मासा सोडी की मुखबिरी के संदेह में धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। अत्यंत गरीब यह परिवार वर्षों तक कच्चे घर में रहने को मजबूर था, जहां बरसात में टपकती छत और जहरीले कीड़े-मकोड़ों से जान का खतरा बना रहता था।

ग्राम पंचायत गादीरास द्वारा वर्ष 2024-25 में विशेष परियोजना अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में पात्र पाए जाने पर श्रीमती सोडी हुंगी का नाम प्रस्तावित किया गया। प्रस्ताव स्वीकृत होने पर हितग्राही के खाते में चरणबद्ध रूप से तीन किश्तों में कुल 1 लाख 35 हजार की राशि जारी की गई। शासन की पारदर्शी प्रक्रिया, तकनीकी मार्गदर्शन और समय-समय पर की गई निगरानी के चलते 8 जुलाई 2025 को आवास निर्माण कार्य पूरा हुआ, जिसमें श्रीमती सोडी हुंगी अब अपने परिवार के साथ रहने लगी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ-साथ श्रीमती सोडी हुंगी को अन्य योजनाओं का भी लाभ प्राप्त हुआ है, जिनमें स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण की स्वीकृति, मनरेगा के तहत 90 दिवस की मानव मजदूरी का भुगतान, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ शामिल है।

श्रीमती सोडी हुंगी के बेटों ने कहा कि हमारा परिवार आज सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी पा रहा है। यह सब जिला प्रशासन, ग्राम पंचायत और प्रधानमंत्री आवास योजना की बदौलत संभव हुआ है। हम मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं केंद्र सरकार के आभारी हैं, जिन्होंने नक्सल पीड़ितों और आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास हेतु इतनी संवेदनशील और प्रभावी नीति बनाई है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर । अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पहले मामले में शांति विहार कालोनी डगनिया निवासी विकाश कुमार नाथ 44 वर्ष ने डीडीनगर थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एचजे 4986 को महादेव घाट शमशान घाट के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में मांढर निवासी विनेश कुमार सूर्यवंशी 32 वर्ष ने धरसींवा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 पीयू 8508 को सिलतरा के शराब दुकान के पास खड़ी किया था।

चाकू के साथ तीन युवक गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा और माना थाना पुलिस ने चाकू लेकर आतंक फैलाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चाकू जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार टिकरापारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर यादव मोहल्ला के पास चाकू लहराकर आतंक फैलाते हुए आरोपी आर्यन ठाकुर 19 वर्ष और विकाश जोशी 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

छत्तीसगढ़ में व्यापार और वाणिज्य को मिलेगी नई गति, माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025 पारित

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पारित माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025, राज्य में व्यापार एवं वाणिज्य को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस संशोधन विधेयक का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों को कानूनी राहत, कारोबारी प्रक्रियाओं को सरल बनाना, कर मामलों का शीघ्र निराकरण और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना है।

विधेयक में इनपुट टैक्स क्रेडिट के प्रावधानों को और स्पष्ट किया गया है ताकि कारोबार, कर भुगतान और क्रेडिट के उपयोग में पारदर्शिता आ सके। विशेष श्रेणी के लेन-देन (जैसे सेज, निर्यात, वेयरहाउस परिसंचरण) को स्पष्ट परिभाषित किया गया है। साथ ही वित्त अधिनियम, 2025 के केंद्र सरकार के संशोधनों के अनुरूप कई तकनीकी और प्रक्रियागत बदलाव किए गए हैं।

माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025 के अनुसार इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर नियम में संशोधन किया गया है। अब आईजीएसटी में रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म के अंतर्गत प्राप्त इनपूट टैक्स क्रेडिट का वितरण अपनी शाखाओं में करने की अनुमति मिलेगी। इससे जीएसटी अधिनियम की विसंगतियां दूर होंगी और 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा मिलेगा।

विधेयक में ऐसे पेनाल्टी की राशि जिसमें टैक्स डिमांड शामिल नहीं है ऐसे प्रकरणों में अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए पूर्व डिपोजिट 25 प्रतिशत राशि को घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी प्रकार वाउचर टैक्स निर्धारण को और अधिक स्पष्ट किया गया है। पहले जीएसटी प्रणाली में वाउचर पर कर निर्धारण के संबंध स्थिति स्पष्ट नही थी इस पर जीएसटी कब लगेगा इन्हें जारी करने के समय या इन्हें रिडीम करते समय इस संबंध में विभिन्न एंडवास रूलिंग अथारिटी मत भिन्नता थी। संशोधन विधेयक के अनुसार अब वाउचर रिडीम करते समय जीएसटी लगेगा।

तंबाकू आदि उत्पादों के लिए ट्रैक एंड ट्रेस मैकेनिज्म लागू किया गया है, जिससे उनकी आपूर्ति श्रृंखला की कड़ी निगरानी हो सकेगी। ऐसे उत्पादों के सभी यूनिट पैकेट में एक क्यूआर कोड अंकित करना होगा, जिसे स्कैन करने पर निर्माता, उत्पाद, एमआरपी, विक्रेता, बिल आदेश, भुगतान के सभी रिकार्ड आदि जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। साथ ही निर्माता और होलसेलर को इन यूनिट पैकेट के मूव्हमेंट का रिकार्ड रखना होगा। ताकि जांच एजेंसियों को किसी भी समय ऐसी सूचनाएं उपलब्ध हो सके।

विशेष आर्थिक क्षेत्र को प्रोत्साहन के तहत इन विशेष क्षेत्रों के वेयर हाउस में रखे गए वस्तुओं के निर्यात किए जाने से पूर्व वस्तुओं के फिजिकल मूवमेंट के बिना क्रय विक्रय किए जाने पर अब जीएसटी नहीं लगेगा। यह

जशपुर जिले के बगीचा में भूकंप का कंपन, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.1 नापी गई

भूकंप आने की कोई प्रमाणिक जानकारी नहीं : डॉ. चन्द्रा

रायपुर । प्रदेश के जशपुर जिले के अंतर्गत आने वाले बगीचा क्षेत्र में भूकंप के हल्के झटके आए, जिसके कारण धरती हिलने लगी और धरती में कंपन महसूस होने लगा। स्थानीय विधायक रायमुनि भगत ने क्षेत्र का दौरा किया। यहां पर हर संभव सहायता देने का निर्देश प्रशासन को दिया है।

जशपुर जिले के एसडीएम प्रदीप राठिया से मिली जानकारी के अनुसार बगीचा क्षेत्र में आए भूकंप की सूचना कलेक्टर जशपुर को दे दी गई है। उन्होंने बताया कि यह पर कोई विशेष जनहानि नई हुई है। बगीचा प्राकृतिक रूप से एक सुंदर क्षेत्र है, यहां पर पहाड़िया और सघन वन है। एसडीएम प्रदीप राठिया से मिली जानकारी के अनुसार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। खासकर बगीचा नगर में सुबह 7 बजकर 28 मिनट पर तेज आवाज के साथ कुछ सेंकड तक धरती हिलने लगी। करीब 2-3 सेकंड तक कंपन महसूस किया गया।

बुजुर्ग के खाते से 25 हजार पार

रायपुर । क्रेडिट कार्ड अपडेट कराने के नाम पर अज्ञात आरोपी ने बुजुर्ग के खाते से 25 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर राखी थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। प्रार्थी एम.आर.ध्रुव 62 वर्ष अर्जुनी भाठापारा बलौदाबाजार का रहने वाला है। प्रार्थी संचनालय इंद्रावती भवन में काम करती है। बताया जाता है कि अज्ञात आरोपी ने प्रार्थी को कॉल कर क्रेडिट कार्ड अपडेट कराने का झांसा देकर उसके खाते 25 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर राखी थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने युवाओं को दिया सफलता का मंत्र, दीक्षारंभ एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज लोरमी के राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में दीक्षारंभ एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने दीक्षारंभ कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हमें प्रकृति और समाज से जुड़कर समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने अपने छात्र जीवन की स्मृतियाँ साझा करते हुए विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर प्रयास का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित करना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है, सही दिशा तय करना। जीवन में सफलता का रास्ता मेहनत और ईमानदारी से होकर गुजरता है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन संघर्ष और उपलब्धियों का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री एम.के. धुर्वे ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि वर्ष 1994 से संचालित यह कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी की शैक्षणिक पहचान बन चुका है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि कभी भी डिप्रेशन, निराशा और हताशा को अपने जीवन में जगह न दें। ये आपके सबसे बड़े शत्रु हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसे नेता एक गरीब माँ के बेटे होकर भी विश्व मंच पर छाए हैं। यह उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है। श्री साव ने महाविद्यालय की मांग पर 15 नग ग्रीन बोर्ड, परिसर में बाउण्ड्रीवाल, चेकर पत्थर, दो सेट सोलर हाइमास्ट लाइट और सांस्कृतिक मंच के निर्माण की घोषणा की।

वृक्षारोपण कर दिया संदेश, सांस्कृतिक मंच निर्माण सहित की कई घोषणाएं

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने महाविद्यालय परिसर में आम का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी भावी पीढ़ियों के प्रति एक जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग और जल संरक्षण के प्रति युवाओं को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, जनप्रतिनिधि और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में विरासत संरक्षण के लिए केंद्र का बड़ा कदम

रायपुर। भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ में स्मारकों, किलों और अन्य धरोहर संरचनाओं की पहचान और संरक्षण के लिए व्यापक सर्वेक्षण किया है और पिछले पाँच वर्षों में इन कार्यों के लिए ?26.24 करोड़ का आवंटन किया है। यह जानकारी संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज राज्यसभा में सांसद श्रीमती फूलो देवी नेताम के प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।मंत्री ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने वर्ष 2014-15 से 2024-25 तक छत्तीसगढ़ में गांव-गांव सर्वेक्षण किया। इस दौरान 764 गांवों का सर्वेक्षण हुआ, जिनमें से 73 गांवों में प्राचीन अवशेष पाए गए, जो राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाते हैं।उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में केंद्र संरक्षित स्मारकों और स्थलों की मरम्मत, संरक्षण और रखरखाव के लिए वर्ष 2020-21 में ?2.89 करोड़, 2021-22 में ?4.78 करोड़, 2022-23 में ?7.50 करोड़, 2023-24 में ?5.94 करोड़ और 2024-25 में ?5.13 करोड़ का आवंटन किया। हर वर्ष यह राशि पूरी तरह खर्च की गई। मंत्रालय ने कहा कि यह पहल देश की मूर्त सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने और आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐतिहासिक महत्व के स्मारकों व स्थलों को सुरक्षित बनाने के लिए लगातार चलाए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है।

राजधानी में हुई झमाझम वर्षा

रायपुर। राजधानी में आज सुबह से ही झमाझम वर्षा हुई, जिसके कारण नगर निगम की साफ-सफाई की पोल खुल गई है। नालियों का पानी सड़कों में भर गया, जिसके कारण सर्वत्र गंदगी व्याप्त है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राजधानी में आज सुबह से ही एक सिस्टम बनने के कारण भारी वर्षा हुई, जिसका रिकॉर्ड अभी नहीं मिला है। मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर श्रीगंगानगर, रोहतक, बांदा, सीधी, रांची, डायमंड हार्बर और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर बंगाल की खाड़ी तक स्थित है । एक उपरि हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण गंगेटिक पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग में स्थित है तथा यह 9.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है ।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)